मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त
(भाग 1)

अध्याय- 1
मानव भूगोल- प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

अतिलघुत्तरात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में कौन-सा भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?
   (अ)यात्रियों का विवरण (ब) प्राचीन मानचित्र
   (स) चन्द्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने (द) प्राचीन महाकाव्य (स)
2. निम्न में से कौनसा आर्थिक भूगोल का उपक्षेत्र नहीं है?
   (अ) संसाधन भूगोल (ब) कृषि भूगोल (स) पर्यटन भूगोल (द) सैन्य भूगोल (द)
3. मानव भूगोल के जनक कौन है?
   (अ) ब्लाश (ब) रैटजेल (स) एलन सी सैंपल (द) ग्रिफिथ टेलर (ब)
4. मानव भूगोल की कल्याणपरक अथवा मानवातावादी विचारधारा का संबंध है?
   (अ) धार्मिक कल्याण (ब) क्षेत्रीय कल्याण (स) सामाजिक कल्याण (द) निर्धनता कल्याण (स)
5. निम्नलिखित में कौन-सा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्य क्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?
   (अ) मानव बुद्धिमता (ब) प्रौद्योगिकी (स) लोगों के अनुभव (द) मानवीय भाईचारा (अ)
6. निम्न में से कौनसा मानव भूगोल का उपागम नहीं है?
   (अ) क्षेत्रीय विभिन्नता (ब) मात्रात्मक क्रांति (स) स्थानिक संगठन (द) अन्वेषण और वर्णन (ब)
7. मानव ने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आप को ढाल लिया है इस प्रकार आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच अन्योन्य क्रिया को.....कहा गया।

उत्तर- पर्यावरणीय निश्चयवाद

8. भूगोल में उत्तर आधुनिकवाद का उदय.....दशक में हुआ-

उत्तर 1990

9. राजनीतिक भूगोल के.....व.....उपक्षेत्र है?

उत्तर- निर्वाचन भूगोल, सैन्य भूगोल

10. आमूलवादी विचारधारा ने निर्धनता के कारण बंधन और सामाजिक असमानता की व्याख्या के लिए.....के सिद्धान्त का उपयोग किया?

उत्तर- मार्क्स

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए?

उत्तर मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।

2. एलन सी सेंपल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए?

उत्तर मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।

3. पर्यावरणीय निश्चयवाद किसे कहा गया है?

उत्तर आरम्भिक अवस्थाओं में मानव प्राकृतिक पर्यावरण से प्रभावित होकर प्रकृति के आदेशों अनुसार अपने आप को ढाल लिया इसी आदिम समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच अन्योन्य क्रिया को पर्यावरणीय निश्चयवाद कहा गया है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

4. संभववाद क्या है? इसके जनक कौन है?

उत्तर मानव सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ अधिक सक्षम प्रौद्योगिकी का विकास करते हैं दूसरे प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव इसका उपयोग करता है तथा धीरे-धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है इसे ही संभववाद नाम दिया गया है।
संभववाद के जनक पॉल विडाल-डी-ला-ब्लांश है।

5. नवनिश्चयवाद क्या है? यह संकल्पना किससे प्रस्तुत की?

उत्तर इसके अनुसार न पर्यावरणीय निश्चयवाद की दशा है न ही संभवादवाद की दशा है इसका कार्य है प्राकृतिक नियमों का पालन करके हम प्रकृति पर विजय प्रापत कर सकते है।
यह संकल्पना ग्रिफिथ टेलर ने दी थी।

6. सामाजिक भूगोल के तीन उपक्षेत्रों के नाम बताइये?

उत्तर- 1. व्यवहारवादी भूगोल, 2. सामाजिक कल्याण का भूगोल, 3. सांस्कृतिक भूगोल

7. आर्थिक भूगोल के तीन उपक्षेत्रों के नाम बताइये?

उत्तर- 1. संसाधन भूगोल, 2. कृषि भूगोल, 3. पर्यटन भूगोल

अध्याय-2

विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न व अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित में किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है?
(अ) अफ्रीका (ब) एशिया (स) दक्षिण अमेरिका (द) उत्तरी अमेरिका (अ)

2. निम्नलिखित में कौनसा एक विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नहीं है?
(अ) अटाकामा (ब) भूमध्यरेखीय प्रदेश (स) दक्षिण-पूर्वी एशिया (द) ध्रुवीय प्रदेश (स)

3. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश है?
(अ) भारत (ब) सिंगापुर (स) चीन (द) रूस (ब)

4. उद्योगों की उपस्थिति के कारण विश्व का कौनसा प्रदेश सघन बसा है-
(अ) कटंगा (ब) जांबिया
(स) जापान का कोबे ओसाका (द) भूमध्य सागरीय प्रदेश (स)

5. निम्नलिखित में कौनसा प्रतिकर्ष कारक नहीं है?
(अ) जलाभाव (ब) बेरोजगारी
(स) चिकित्सा/शैक्षणिक सुविधाएं (द) महामारियाँ (स)

6. विश्व जनसंख्या को 5 अरब से 6 अरब होने कितना समय लगा?
(अ) 150 वर्ष (ब) 47 वर्ष (स) 7 वर्ष (द) 12 वर्ष (द)

7. विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या कितने प्रतिशत स्थल भाग पर निवास करती है?
(अ) 10 प्रतिशत (ब) 25 प्रतिशत (स) 40 प्रतिशत (द) 60 प्रतिशत (अ)

8. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप एवं देश कौनसे है?

उत्तर- एशिया, चीन

9. भूमध्यसागरीय प्रदेश में अधिक जनसंख्या का क्या कारण है?

उत्तर- सुखद जलवायु

10. अफ्रीका की कटंगा जांबिया तांबा पेटी की जनसंख्या सघन क्यों है?

उत्तर- यहाँ तांबा खनन से उत्पन्न रोजगार के कारण।

11. जनसंख्या वृद्धि किसे कहते है?

उत्तर- किसी क्षेत्र में निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगों की संख्या में परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

12. जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि क्या है?

उत्तर- वास्तविक जनसंख्या वृद्धि= जन्म-मृत्यु+आप्रवास-उत्प्रवास

13. आप्रवास किसे कहते है?

उत्तर- प्रवासी जो किसी नए स्थान पर जाते है आप्रवासी कहलाते है।

14. उत्प्रवास किसे कहते है?

उत्तर- प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते है उत्प्रवासी कहलाते है।

15. जनसंख्या के प्रतिकर्ष कारक कौनसे है?

उत्तर- बेरोजगारी रहन-सहन की निम्न दशा, राजनीतिक उपद्रव, प्रतिकूल जलवायु, प्राकृतिक विपदा, महामारियाँ, सामाजिक आर्थिक पिछड़ापन।

16. जनसंख्या के अपकर्ष कारक कौनसे है?

उत्तर- काम के बेहतर अवसर, रहन-सहन की अच्छी दशा, शांति और स्थायित्व जीवन की संपत्ति की सुरक्षा, अनुकूल जलवायु।

17. विश्व की अनुमानित जनसंख्या वृद्धि दर (2010-15) कितनी है।

उत्तर- 1.2 प्रतिशत

18. जनसंख्या घनत्व का सूत्र लिखिए।

उत्तर- $\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$

निबन्धात्मक प्रश्न

19. विश्व में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए?

I. भौगोलिक कारक

(i) जल की उपलब्धता:- जल जीवन का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है अत: लोग उन क्षेत्रों में बसने को प्राथमिकता देते है जहां जल आसानी से उपलबध होता है। जल का उपयोग पीने, नहाने और भोजन बनाने के साथ पशुओं, फसलों, उद्योगों तथा नौसंचालन में किया जाता है यही कारण है नदी-घाटियाँ विश्व के सबसे सघन बसे हुए क्षेत्र है।

(ii) भू-आकृति:- लोग समतल मैदानों और मंद ढालों पर बसने को वरीयता देते हैं इसका कारण यह है कि ऐसे क्षेत्र फसलों के उत्पादन सड़क निर्माण और उद्योगों के लिए अनुकूल होते है, पर्वतीय और पहाड़ी क्षेत्र परिवहन तंत्र के विकास में अवरोधक है इसलिए प्रारंभ में कृषिगत और औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल नहीं होते। अत: इन क्षेत्रों में जनसंख्या कम पाई जाती है गंगा का मैदान विश्व के सर्वाधिक सघन जनसंख्या वाले क्षेत्रों में से एक है जबकि हिमालय के पर्वतीय भाग विरल जनसंख्या वाले क्षेत्र है।

(iii) जलवायु:- अति उष्ण अथवा ठंडे मरुस्थलों की विषम जलवायु मानव बसाव के लिए असुविधाजनक होती है। सुविधाजनक जलवायु वाले क्षेत्र जिनमें अधिक मौसमी जनसंख्या पाई जाती है। भू-मध्य सागरीय प्रदेश सुखद जलवायु के कारण इतिहास के आरंभिक कालों से बसे हुए हैं।

(iv) मृदाएँ:- उपजाऊ मृदाएँ कृषि तथा इनसे संबंधित क्रियाओं के लिए महत्त्वपूर्ण है इसलिए उपजाऊ दोमट मिट्टी वाले प्रदेशों अधिक लोग निवास करते है क्योंकि ये मृदाएं गहन कृषि का आधार बन सकती है।

II आर्थिक कारक:-

(i) खनिज:- खनिज निक्षेपों से युक्त क्षेत्र खनन और औद्योगिक गति विधियाँ रोजगार उत्पन्न करते है अत: कुशल एवं अर्द्ध-कुशल कर्मी इन क्षेत्रों में पहुँचते है और जनसंख्या को सघन बना देते है। अफ्रीका की कटंगा, जांबिया तांबा पेटी इसका अच्छा उदाहरण है।

(ii) नगरीकरण:- नगर रोजगार के बेहतर अवसर शैक्षणिक व चिकित्सा सुविधाएँ तथा परिवहन एवं संचार के बेहतर साधन प्रस्तुत करते है। अच्छी नागरिक सुविधाएँ तथा नगरीय जीवन के आकर्षण लोगों को नगरों की ओर खींचते है इससे ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में प्रवास होता है।

(iii) औद्योगीकरण:- औद्योगिक पेटियाँ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है और बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करती हैं। इनमें

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

केवल कारखानों के श्रमिक ही नहीं होते बल्कि परिवहन परिचालक दुकानदार, बैंककर्मी, डॉक्टर, अध्यापक तथा अन्य सेवा उपलब्ध कराने वाले होते है। जापान का कोबे-ओसाका प्रदेश अनेक उद्योगों की उपस्थिति के कारण सघन बसा हुआ है।

(III) <u>सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारक</u>:-

कुछ स्थान धार्मिक अथवा सांस्कृतिक महत्त्व के कारण अधिक लोगों को आकर्षित करते है। ठीक इसी प्रकार लोग उन क्षेत्रों को छोड़ कर चले जाते है जहां सामाजिक और राजनीतिक अशांति होती है कई बार सरकारें लोगों को विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में बसने अथवा भीड़-भाड़ वाले स्थानों से चले जाने के लिए प्रोत्साहन देती है।

21. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त क्या है? जनाकिकीय संक्रमण की तीन अवस्थाओं की विवेचना कीजिए?

उत्तर- जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त:- यह सिद्धान्त हमें बताता है कि समाज ग्रामीण, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय औद्योगिक और साक्षर बनता है तो किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म और निम्न मृत्यु में परिवर्तित होती है ये परिवर्तन अवस्थाओं में होते है जिन्हें सामुहिक रूप से जनांकिकीय चक्र के रूप में जाना जाता है।

ग्रामीण खेतिहर अशिक्षित — जनांकिकीय संक्रमण — नगरीय, औद्योगिक शिक्षित

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त की तीन अवस्थायें है-

<u>प्रथम अवस्था</u>:- इस अवस्था में उच्च प्रजननशीलता व उच्च मर्त्यता होती है क्योंकि लोग महामारियों और भोजन की अनिश्चित आपूर्ति से होने वाली मृत्युओं की क्षतिपूर्ति अधिक पुनरुत्पादन से करते है। जनसंख्या वृद्धि धीमी होती है और अधिकांश लोग खेती में कार्यरत होते है। जहाँ बड़े परिवारों को परिसंपत्ति माना जाता है जीवन प्रत्याशा निम्न होती है अधिकांश लोग अशिक्षित होते है और उनके प्रौद्योगिकी स्तर निम्न होते है 200 वर्ष पूर्व विश्व के सभी देश इसी अवस्था में थे।

<u>द्वितीय अवस्था</u>:- इस अवस्था में प्रारंभ में प्रजननशीलता उच्च रहती है किन्तु यह समय के साथ घटती जाती है। यह अवस्था घटी हुई मृत्यु दर के साथ आती है स्वास्थ्य संबंधी दशाओं व स्वच्छता में सुधार के साथ मर्त्युता में कमी आती है इस अंतर के कारण, जनसंख्या में होने वाला शुद्ध योग उच्च होता है।

<u>तृतीय अवस्था</u>:- इस अंतिम अवस्था में प्रजननशीलता और मर्त्यता दोनों अधिक घट जाती है जनसंख्या या तो स्थिर हो जाती है या मंद गति से बढ़ती है, जनसंख्या नगरीय और शिक्षित हो जाती है तथा उसके पास तकनीकी ज्ञान होता है ऐसी जनसंख्या विचारपूर्वक परिवार के आकार को नियंत्रित करती है।

<u>निम्न चित्र जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त के तीन अवस्थाओं वाले मॉडल की व्याख्या करता है</u> :

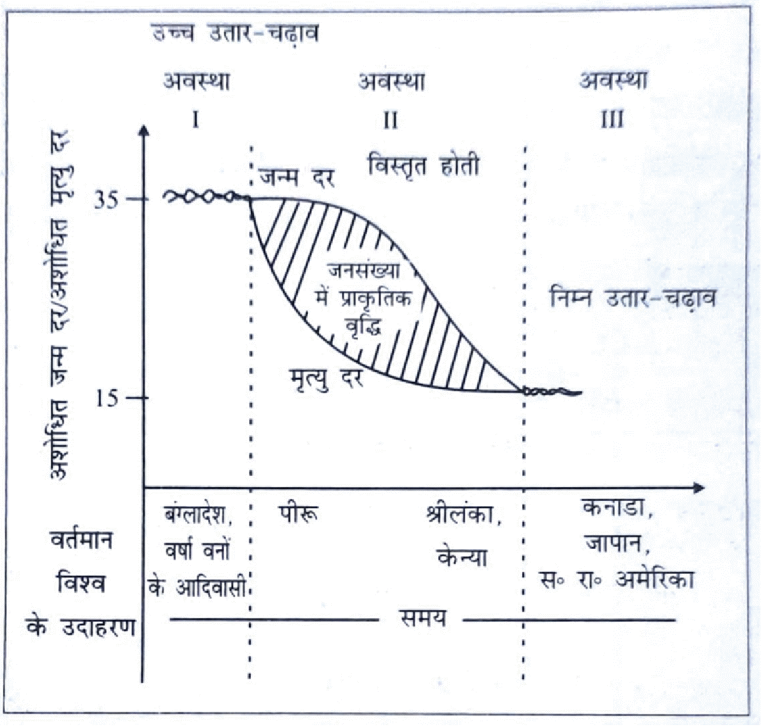

Created by Universal Document Converter

अध्याय-3
जनसंख्या संघटन

वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. संयुक्त अरब अमीरात के लिंग अनुपात निम्न होने का कारण है?
   (क) पुरुष कार्यशील जनसंख्या का चयनित प्रवास (ख) पुरुषों की उच्च जन्म दर
   (ग) स्त्रियों की निम्न जन्म दर (घ) स्त्रियों का उच्च उत्प्रवास (क)
2. निम्नलिखित में कौन-सी संख्या जनसंख्या के कार्यशील आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है?
   (क) 15 से 65 वर्ष (ख) 15 से 66 वर्ष (ग) 15 से 64 वर्ष (घ) 15 से 59 वर्ष (घ)
3. निम्नलिखित में किस देश का लिंग अनुपात विश्व में सर्वाधिक है?
   (क) लैटविया (ख) जापान (ग) संयुक्त अरब अमीरात (घ) फ्रांस (क)
4. विश्व की जनसंख्या का औसत लिंगानुपात प्रति 100 स्त्रियों पर पुरुषों की संख्या है?
   (क) 90 (ख) 110 (ग) 102 (घ) 85 (ग)
5. यूरोप के अनेक देशों में स्त्रियों की बेहतर स्थिति का कारण है?
   (क) स्त्रियों की उच्च जन्म दर (ख) पुरुषों की निम्न जन्मदर
   (ग) पुरुषों का उत्प्रवास (घ) स्त्रियां का अप्रवास (ग)
6. नाइजीरिया का आयु लिंग पिरामिड का आकार कैसा है?
   (क) आयताकार (ख) त्रिभुजाकार (ग) घंटी के आकार का (घ) शुंडाकार शीर्ष (ख)
7. ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या में विभाजन का आधार है?
   (क) आयु-लिंग संघटन (ख) व्यवसायिक संरचना (ग) जनसंख्या का घनत्व (घ) उपर्युक्त सभी (घ)
8. संयुक्त राष्ट्र संघ में सूचीबद्ध देशों में कितने देशों का लिंग अनुपात स्त्रियों के लिए अनुकूल है?
   (क) 72 (ख) 139 (ग) 148 (घ) 68 (ख)
9. जनसंख्या पिरामिड प्रत्येक आयु वर्ग में बायां भाग.....का प्रतिशत तथा दायां भाग.....का प्रतिशत दर्शाता है।

उत्तर- पुरुषों, स्त्रियों

10. ऑस्ट्रेलिया का आयु लिंग पिरामिड.....आकार का है।

उत्तर- घंटी के

11. किसी देश में साक्षर जनसंख्या का अनुपात उसके.....विकास का सूचक होता है।

उत्तर- सामाजिक-आर्थिक

12. न्यूजीलैण्ड का ग्रामीण-नगरीय लिंग संघटन.....,.....है-

उत्तर- 1051, 955

13. जापान का आयुलिंग पिरामिड.....दर्शाता है।

उत्तर- ह्रासमान जनसंख्या

14. लिंग अनुपात कैसे ज्ञात किया जाता है। सूत्र लिखिए।

उत्तर- विदेशों में लिंगानुपात $\frac{\text{पुरुष जनसंख्या}}{\text{स्त्री जनसंख्या}} \times 1000$

भारत में लिंगानुपात $\frac{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}}{\text{पुरूष जनसंख्या}} \times 1000$

15. एशिया के दो देशों का नाम बताइये जहाँ लिंगानुपात निम्न है.

उत्तर- 1. चीन 2. भारत

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

16. भारत में साक्षरता दर से अभिप्राय है?

उत्तर- भारत में साक्षरता दर 7 वर्ष से अधिक आयु वाले जनसंख्या प्रतिशत से जो पढ़ लिख सकता है समझ के साथ अंकगणितीय परिकलन कर सकता हो।

17. कनाडा का ग्रामीण नगरीय लिंग अनुपात है?

उत्तर- ग्रामीण लिंगानुपात- 1069 एवं नगरीय लिंगानुपात- 968

18. किसी देश में लिंग-अनुपात प्रतिकूल होने के क्या कारण है?

उत्तर- 1. स्त्री-भ्रूण हत्या 2. स्त्री-शिशु हत्या
3. घरेलू हिंसा 4. स्त्रियों की सामाजिक आर्थिक स्तर का निम्न होना।

19. किसी देश में लिंग-अनुपात अनुकूल होने के क्या कारण है?

उत्तर- 1. स्त्री-शिक्षा 2. रोजगार के अवसर
3. स्त्री-पुरुष भेदभाव नहीं होना 4. स्त्रियों का सामाजिक आर्थिक स्तर उच्च होना

20. आयु संरचना विभिन्न आयु वर्ग में लोगों की संख्या को कैसे प्रदर्शित करता है?

उत्तर- 1. 0-14 आयु वर्ग- आश्रित जनसंख्या बच्चों को शामिल किया जाता है।
2. 15-59 आयु वर्ग- यह जनसंख्या का बड़ा आकार विशाल कार्यशील एवं युवा जनसंख्या को इंगित करता है।
3. 60 वर्षसे अधिक- यह वृद्ध जनसंख्या को प्रदर्शित करता है।

निबंधात्मक प्रश्नः-

21. जनसंख्या के ग्रामीण-नगरीय संघटन का वर्णन कीजिए?

उत्तर- जनसंख्या के ग्रामीण और नगरीय में विभाजन निवास के आधार पर होता है यह विभाजन आवश्यक है क्योंकि ग्रामीण और नगरीय जीवन आजीविका और सामाजिक दशाओं में एक-दूसरे से भिन्न होते है ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में आयु-लिंग संघटन, व्यवसायिक संरचना, जनसंख्या का घनत्व तथा विकास के स्तर अलग-अलग होते हैं।

ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या में अंतर के मापदण्ड

ग्रामीण जनसंख्या संघटनः- सामान्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र वे होते हैं जिनमें लोग प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न होते है।

- जनसंख्या घनत्व कम होता है।
- रोजगार के अवसरों की कमी होती है।
- उत्प्रवास अधिक होता है।

नगरीय जनसंख्या संघटनः- नगरीय क्षेत्र वे होते हैं जिनमें अधिकांश कार्यशील जनसंख्या गैर-प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न होती है।

- जनसंख्या घनत्व उच्च होता है।
- रोजगार के अवसर पर्याप्त होते हैं।
- आप्रवास अधिक होता है।

ग्रामीण नगरीय लिंग संघटनः- ग्रामीण व नगरीय लिंग संघटन अलग-अलग देशों में भिन्न होता है जैसे कनाडा और फिनलैण्ड व पश्चिमी यूरोपीय देशों ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों की संख्या अधिक है जबकि नगरीय क्षेत्रों में स्त्रियों की संख्या पुरुषों की अपेक्षा अधिक है इसका कारण नगरीय क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की अधिक संभावना के कारण महिलाओं का आगमन है। इसके विपरीत अफ्रिकी और एशियाई देशों में क्रमशः जिंबाबे तथा नेपाल, पाकिस्तान, भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों की संख्या पुरुषों से अधिक है जबकि नगरीय क्षेत्रों में स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों की संख्या अधिक है इसका कारण ऐसे देशों में ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों में महिलाओं की सहभागिता काफी ऊँची है। जबकि नगरीय क्षेत्रों में पुरुष प्रधान प्रवास के कारण लिंग अनुपात पुरुषों के अनुकूल है एवं नगरों में आवास की कमी रहन-सहन की उच्च लागत, रोजगार के अवसरों की कमी और सुरक्षा की कमी महिलाओं को गांव से नगरीय क्षेत्रों में प्रवास को रोकते हैं।

22. लिंगानुपात से आप क्या समझते हैं? लिंग अनुपात के विश्व प्रतिरूप की विवेचना कीजिए?

Created by Universal Document Converter

उत्तर- जनसंख्या में स्त्रियों और पुरुषों की संख्या के बीच के अनुपात के लिंग अनुपात कहा जाता है।
कुछ देशों में लिंग अनुपात निम्न सूत्र से परिकलित करते हैं-

$$\frac{\text{पुरुष जनसंख्या}}{\text{स्त्री जनसंख्या}} \times 1000$$

भारत में निम्न सूत्र का प्रयोग कर लिंग अनुपात ज्ञात किया जाता है-

$$\frac{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}}{\text{पुरुषों की जनसंख्या}} \times 1000$$

लिंग अनुपात किसी देश में स्त्रियों की स्थिति के संबंध में महत्त्वपूर्ण सूचना होती है।
जिन प्रदेशों में लिंग भेदभाव अनियंत्रित होता है वहाँ लिंग अनुपात निश्चित रूप से स्त्रियों के प्रतिकूल होता है इन क्षेत्रों में स्त्री भ्रूण हत्या तथा स्त्री शिशु हत्या और स्त्रियों के प्रति घरेलू हिंसा की प्रथा प्रचलित है। इसका एक कारण इन क्षेत्रों में स्त्रियों की सामाजिक आर्थिक स्तर का निम्न होना हो सकता है।
जनसंख्या में अधिक स्त्रियों का होने का अर्थ यह नहीं है कि उनका स्तर बेहतर है यह भी हो सकता है कि पुरुष रोजगार के लिए अन्य क्षेत्रों में प्रवास कर गये हों।
विश्व की जनसंख्या का औसत लिंग अनुपात, प्रति 100 स्त्रियों पर 102 पुरुष है विश्व में उच्चतम लिंग अनुपात लैटविया में दर्ज किया गया है जहाँ प्रति सौ स्त्रियों पर 85 पुरुष है इसके विपरीत निम्नतम लिंग अनुपात संयुक्त अरब अमीरात में दर्ज किया गया है जहाँ प्रति 100 स्त्रियों पर 311 पुरुष है।
लिंग अनुपात के विश्व प्रतिरूप से विश्व के विकसित प्रदेशों में कोई अलग अंतर नहीं दिखाई पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सूचीबद्ध 139 देशों में लिंग अनुपात स्त्रियों के लिए अनुकूल है जबकि 72 देशों में यह प्रतिकूल है।
सामान्यत: एशिया में लिंग अनुपात निम्न है। चीन, भारत, सऊदी अरब, पाकिस्तान व अफगानिस्तान देशों में लिंग अनुपात और भी निम्न है।
दूसरी और रुस सहित यूरोप के बड़े भाग में पुरुष अल्प संख्या में है यूरोप के अनेक देशों में पुरुषों की कमी, वहाँ स्त्रियों की बेहतर स्थिति तथा भूतकाल में विश्व के विभिन्न भागों में अत्यधिक पुरुष उत्प्रवास के कारण है।

अध्याय - 4
प्राथमिक क्रियाएँ

1. निम्न में से कौनसा एक प्राथमिक क्रियाओं में शामिल नहीं है-
(अ) पशुचारण (ब) आखेट (स) कृषि (द) विनिर्माण (द)

2. निम्न में से कौनसी फसल रोपण कृषि में सम्मिलित है-
(अ) रबड़ (ब) गन्ना (स) चाय (द) उपरोक्त सभी (द)

3. निम्न में से कौनसी विशेषता रोपण कृषि की नहीं है-
(अ) कृषि क्षेत्र का विस्तृत आकार (ब) अधिक पूंजी निवेश
(स) निम्न प्रबंधन एवं तकनीकी आधार (द) सस्ते श्रमिक (स)

4. निम्न में भूमध्यसागरीय कृषि से सम्बन्धित क्षेत्र नहीं है-
(अ) मध्य कैलीफोर्निया (ब) मध्यवर्ती चिली
(स) दक्षिणी अफ्रीका का दक्षिणी पश्चिमी भाग (द) भूमध्यसागर तटीयक्षेत्र (अ)

5. निम्नलिखित देशों में से किसमें सहकारी आंदोलन सर्वाधिक सफल रहा-
(अ) भारत (ब) डेनमार्क (स) रूस (द) चीन (ब)

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

6. खट्टेरसदार फलों की कृषि किस कृषि क्षेत्र की विशेषता है-
(अ) वाणिज्यिक कृषि (ब) रोपण कृषि (स) जीवन निर्वाह कृषि (द) भूमध्यसागरीय कृषि (द)

7. वाणिज्य डेयरी कृषि का सबसे बड़ा प्रदेश कौनसा है-
(अ) दक्षिणी अफ्रीका (ब) उत्तरी पश्चिमी यूरोप (स) कनाडा (द) न्यूजीलैण्ड (ब)

8. सामूहिक कृषि का प्रारम्भ सर्वप्रथम कहां से हुआ था-
(अ) भारत (ब) चीन (स) सोवियत संघ (द) जर्मनी (स)

9. ट्यूलिप पुष्प की कृषि के लिए विख्यात देश कौनसा है-
(अ) नीदरलैण्ड (ब) डेनमार्क (स) स्वीडन (द) ब्रिटेन (अ)

10. निम्न में से कौनसी एकल कृषि नहीं है-
(अ) रोपण कृषि (ब) जीवन निर्वाह कृषि (स) डेयरी कृषि (द) मिश्रित कृषि (द)

11. प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न लोग.....कहलाते है।

उत्तर- लाल कॉलर श्रमिक

12. ब्राजील में कॉफी के बागान.....कहलाते हैं।

उत्तर- फेजेन्डा

13. मिश्रित कृषि में.....एवं.....क्रियाएं शामिल है।

उत्तर- फसल उत्पादन, पशुपालन

14. सोवियत संघ के सामूहिक कृषि को.....कहा जाता है-

उत्तर- कोलखहोज

15. अंगूर की कृषि.....क्षेत्र की विशेषता है।

उत्तर- भूमध्यसागरीय

16. आर्थिक क्रिया किसे कहते है?

उत्तर- मानव के वो सभी क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है आर्थिक क्रिया कहते है।

17. ऋतुप्रवास किसे कहते हैं?

उत्तर- पशुचारकों द्वारा ऋतुओं के अनुरूप पशुओं को लेकर चरागाह क्षेत्रों की ओर प्रवास करना ऋतुप्रवास कहलाता है। ग्रीष्म ऋतु में मैदानी भाग से पर्वतीय चरागाह की ओर एवं शीत ऋतु में पर्वतीय भाग से मैदानी चरागाहों की ओर प्रवास करते हैं।

18. भारत के हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में ऋतुप्रवास करने वाली पशुचारक जातियों के नाम बताइये।

उत्तर- गुज्जर, बकरवाल, गद्दी एवं भूटिया।

19. चलवासी पशुचारकों की संख्या एवं क्षेत्र में कमी के दो कारण बताइये।

उत्तर- 1. राजनीतिक सीमाओं का अधिरोपण।
2. कई देशों द्वारा नई बस्तियों की योजना बनाना।

20. विश्व में भोजन संग्रह करने वाले दो क्षेत्र बताइये।

उत्तर- 1. उच्च अक्षांश के क्षेत्र- उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया दक्षिणी चिली।
2. निम्न अक्षांश के क्षेत्र- अमेजन बेसिन, उष्णकटिबंधीय अफ्रीका।

21. पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्रों में की जाने वाली दो कृषि के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. उद्यान कृषि 2. कारखाना कृषि

22. खनन की दो विधियों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. धरातलीय या विवृत खनन विधि।
2. भूमिगत या कूपकी खनन विधि।

23. चिकल क्या है? इसका निर्माण कैसे होता है?

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

उत्तर- चुविंगगम को चूसने के बाद शेष बचे भाग को चिकल कहते है। यह जेपोटा वृक्ष के दूध से बनता है।

24. सहकारी कृषि किसे कहते है?

उत्तर- जब कृषकों के समूह द्वारा स्वेच्छा से सहकारी संस्था बनाकर कृषि से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए कृषि कार्य किया जाता है उसे सहकारी कृषि कहते है।

25. आदिमकालीन मानव जीवन निर्वाह के लिए कौनसी दो प्राचीनतम ज्ञात आर्थिक क्रियाओं पर निर्भर था?

उत्तर- 1. आखेट 2. भोजन संग्रह

26. खनन कार्य को प्रभावित करने वाले दो कारक लिखिए।

उत्तर- 1. भौतिक कारक- खनिज निक्षेपों का आकार श्रेणी, एवं उपस्थिति की अवस्था।
2. आर्थिक कारक- खनिज की मांग, तकनीक, पूंजी।

27. ट्रक कृषि क्या है?

उत्तर- कृषकों द्वारा उत्पादित सब्जियों को ट्रक द्वारा उत्पादन क्षेत्र से बाजार तक रातभर दूरी तय करके पहुंचाया जाता है। इसलिए इसे ट्रक कृषि कहते है।

28. विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश उत्पादन की खनन प्रसंस्करण एवं शोधन कार्य से पीछे हट रहे है जबकि विकासशील देश नहीं। कारण बताइये।

उत्तर- उत्पादन की खनन प्रसंस्करण एवं शोधन में श्रमिक लागत अधिक आती है जो विकसित देशों के पास कम संख्या में उपलब्ध है जबकि विकासशील देशों के पास श्रम शक्ति की उपलब्धता के कारण खनन कार्य को महत्त्व दिया जा रहा है।

29. प्राथमिक क्रियाएँ किसे कहते है? इसमें कौन-कौनसे कार्य कलाप शामिल किये जाते है?

उत्तर- पर्यावरण में प्रकृति प्रदत संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से मानव द्वारा क्रिया प्राथमिक क्रियाएँ कहलाती है। प्राथमिक क्रियाओं में निम्न क्रियाकलाप शामिल किये जाते हैं- कृषि, आखेट, भोजन संग्रह, पशुचारण, मछली पकड़ना, खनन, लकड़ी काटना आदि।

30. चलवासी पशुचारण एवं वाणिज्य पशुधन पालन में अन्तर लिखिए।

उत्तर-

	चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुधन पालन
1.	यह जीवन निर्वाह आधारित व्यवसाय है।	यह व्यापार आधारित व्यवसाय है।
2.	पानी व चरागाह की उपलब्धता के अनुसार स्थानान्तरित होते रहते है।	विस्तृत क्षेत्र में फैले स्थायी फार्मों में पशुओं को रखा जाता है।
3.	पशुओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। प्रमुख क्षेत्र- सहारा मरुस्थल, मध्य एशिया यूरोप व एशिया के टुण्ड्रा प्रदेश	पशुओं पर वैज्ञानिक तरीके से देखभाल की जाती है। प्रमुख क्षेत्र- न्यूजीलैण्ड, आस्ट्रेलिया, U.S.A. अर्जेंटिना

31. आदिकालीन निर्वाह कृषि या स्थानांतरितशील कृषि का वर्णन कीजिए।

उत्तर- स्थानांतरित कृषि मुख्य रूप से उष्णकटिबन्धीय क्षेत्र में पायी जाने वाली सघन वनस्पति में निवास करने वाली जनजातीय समूह द्वारा की जाती है।

इन क्षेत्रों में वनस्पति को जलाकर खेत तैयार किये जाते है। जली हुई राख की परत उर्वरक का कार्य करती है। इसे कर्तन एवं दहन कृषि भी कहते है। उसे 5 वर्ष पश्चात् मिट्टी का उपजाऊपन समाप्त होने पर दूसरी जगह पर खेत तैयार करके कृषि की जाती है। इसे भारत के उतरी-पूर्वी राज्यों में झूमिंग, मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको से मिल्पा एवं मलेशिया व इंडोनेशिया में लादांग कहते है।

32. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की विशेषताएं बताते हुए इसके प्रमुख क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. यह कृषि मध्य अक्षांशों के आंतरिक अर्धशुष्क प्रदेशों में की जाती है।
2. इस कृषि की मुख्य फसल गेहूँ है। अन्य फसलें मक्का, जौ, राई एवं जई है।
3. खेतों का आकार बड़ा होता है।
4. खेत जोतने से फसल काटने तक सभी कार्य यंत्रों द्वारा किये जाते है।
5. प्रति एकड़ उत्पादन कम परन्तु प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक होता है।

Created by Universal Document Converter

प्रमुख क्षेत्रः- यूरेशिया के स्टेपीज
उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज
अर्जेंटाइना के पम्पाज
दक्षिणी अफ्रीका के वेल्डस
आस्ट्रेलिया के डाउन्स
न्यूजीलैण्ड के केंटरबरी

33. डेयरी कृषि की विशेषताएं लिखते हुए विश्व के प्रमुख वाणिज्य डेयरी क्षेत्र बताइये।

उत्तर- 1. दुधारू पशुओं का पालन पोषण उन्नत व दक्ष तरीके से किया जाता है।
2. इसमें पूंजी की अधिक आवश्यकता होती है।
3. पशुओं के प्रजनन स्वास्थ्य व पशु चिकित्सा पर अधिक ध्यान दिया जाता है।
4. इसमें गहन श्रम की आवश्यकता होती है।
5. डेयरी कृषि कार्य नगरीय व औद्योगिक केन्द्रों के समीप किया जाता है क्योंकि ये क्षेत्र ताजा दूध एवं डेयरी उत्पादन के अच्छे बाजार होते है।

प्रमुख क्षेत्र- उतरी पश्चिमी यूरोप, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिणी पूर्वी ऑस्ट्रेलिया।

अध्याय - 5
द्वितीयक क्रियाएँ

1. निर्माण की सबसे छोटी इकाई है-
(अ) कुटीर उद्योग (ब) लघु उद्योग (स) वृहद् उद्योग (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

2. रूहर कोयला क्षेत्र कौनसे देश में स्थित है-
(अ) जापान (ब) इटली (स) फ्रांस (द) जर्मनी (द)

3. निम्न में से आधारभूत उद्योग है-
(अ) सूती वस्त्र (ब) चीनी (स) लौह इस्पात (द) पौधे रसायन (स)

4. संयुक्त राज्य अमेरिका का कौनसा क्षेत्र ''जंग के कटोरा'' के नाम से प्रसिद्ध है-
(अ) शिकागो (ब) डेट्राइट (स) पीट्स बर्ग (द) गैरी (स)

5. कौनसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है-
(अ) पूंजीवाद (ब) मिश्रित (स) समाजवाद (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

6. रसायन आधारित उद्योग है-
(अ) पेट्रोरसायन (ब) नमक, गंधक
(स) कृत्रिम रेशे, प्लास्टिक निर्माण (द) उपरोक्त सभी (द)

7. पशु आधारित उद्योग है-
(अ) चमड़ा (ब) ऊनी वस्त्र (स) हाथीदांत (द) उपरोक्त सभी (द)

8. निम्न में से धुँए की चिमनी वाला उद्योग है-
(अ) भारी इंजीनियरिंग (ब) धातु पिघलाने वाले उद्योग
(स) रसायन निर्माण (द) उपरोक्त सभी (द)

9. विनिर्माण से आशय किसी वस्तु का.....है।

उत्तर- उत्पादन

10. कच्चे लोहे में.....मिलाकर इस्पात तैयार किया जाता है-

उत्तर- मैंगनीज

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

11. विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है.....

उत्तर- हाथ से बनाना।

12. महान झील औद्योगिक प्रदेश.....देश में स्थित है।

उत्तर- संयुक्त राज्य अमेरिका

13. सिलिकॉन घाटी USA के.....नगर के पास स्थित है।

उत्तर- सेन फ्रांसिस्को

14. द्वितीयक क्रियाएं किसे कहते है? उदाहरण लिखिए।

उत्तर- प्रकृति में पाये जाने वाले कच्चे माल को परिष्कृत कर मूल्यवान बनाना द्वितीयक क्रिया कहलाती है।
उदा. विनिर्माण, प्रसंस्करण, निर्माण (अवसंरचना) उद्योग।

15. यंत्रीकरण से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना।

16. वनों पर आधारित तीन उद्योगों के नाम लिखिए।

उत्तर- फर्नीचर उद्योग, कागज उद्योग, लाख उद्योग।

17. विश्व के महत्त्वपूर्ण निर्माण उद्योगों के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- लौह इस्पात, वस्त्र, मोटर गाड़ी, पेट्रो रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग आदि।

18. कृषि कारखाने किसे कहते है?

उत्तर- कृषि व्यापार फार्म जो आकार में बड़े, यंत्रीकृत, रसायनों पर निर्भर एवं अच्छी संरचना वाले होते है कृषि कारखाने कहलाते है। इसका वितपोषण वह व्यापार करता है जिसकी मुख्य रूचि कृषि के बाहर हो।

19. प्रौद्योगिकी ध्रुव किसे कहते है। उदाहरण लिखिए।

उत्तर- वह उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेन्द्रित, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते है प्रौद्योगिकी ध्रुव कहलाते है।
उदा.- सेन फ्रांसिस्को के समीप सिलिकन घाटी
सिएटल के समीप सिलिकन वन।

20. सूती वस्त्र उद्योग कम विकसित/विकासशील देशों में क्यों स्थानांतरित हो रहा है।

उत्तर- श्रम लागत कम होने के कारण।

21. आधुनिक निर्माण/विनिर्माण की तीन विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- 1. एक जटिल प्रौद्योगिकी तंत्र, 2. अधिक पूंजी, 3. बड़े संगठन

22. स्वच्छंद उद्योग की तीन विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- 1. इनकी स्थापना किसी भी स्थान पर की जा सकती है।
2. यह उद्योग संघटक पूर्जो पर निर्भर है जो कही से भी प्राप्त कर सकते है।
3. प्रदूषण नहीं फैलाते है।
उदा. इलेक्ट्रॉनिक उद्योग।

23. आधारभूत एवं गैर आधार भूत उद्योगों में अन्तर बताइये।

उत्तर- वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएं बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है आधारभूत उद्योग कहलाते है।
उदा.- लौह-इस्पात उद्योग।
- वे उद्योग जिनसे उत्पादित सामान प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ता द्वारा उपयोग किया जाता है गेर आधारभूत उद्योग कहलाते है। उदा.- बिस्कुट, चाय, साबुन वाले उद्योग।

24. परंपरागत वृहद औद्योगिक प्रदेश की पहचान के तीन बिन्दु लिखिए।

उत्तर- 1. रोजगार की अधिक उपलब्धता
2. पर्यावरण प्रदूषण

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

3. उच्च गृह घनत्व

25. उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की तीन विशेषताएं बताइये।

उत्तर- 1. गहन शोध एवं विकास द्वारा उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादकों का निर्माण।

2. उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यावसायिक श्रमिकों (सफेद कॉलर) का योगदान अधिक होता है।

3. इसमें यंत्र मानव, कम्प्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण आदि कार्य सम्मिलित है।

26. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- 1. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग:- सरकार का नियंत्रण, समाजवादी देशों में।

2. निजी क्षेत्र के उद्योग:- व्यक्तिगत निवेशकों का नियन्त्रण, पूंजीवादी देशों में अधिक।

3. संयुक्त क्षेत्र के उद्योग:- निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों से संचालित।

27. प्राथमिक एवं द्वितीयक क्रियाओं में तीन अन्तर लिखिए।

उत्तर-

प्राथमिक क्रियाएँ	**द्वितीयक क्रियाएँ**
1. पर्यावरण से प्राप्त पदार्थों का सीधा उपयोग किया जाता है।	1. पर्यावरण से प्राप्त पदार्थों को परिष्कृत करके उपयोग किया जाता है।
2. प्राप्त उत्पाद कम मूल्यवान होते है।	2. प्राप्त उत्पाद अधिक मूल्यवान होते है।
3. कम पूंजी की आवश्यकता होती है।	3. अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है।
उदा.- कृषि, आखेट, खनन	उदा.- विनिर्माण प्रसंस्करण।

28. आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- 1. कुटीर उद्योग:- स्थानीय कच्चे माल का उपयोग

- परिवार के सदस्य ही श्रमिक के रूप में कार्य करते है।
- अधिक पूंजी की आवश्यकता नहीं।

उदा.- खाद्य पदार्थ, चटाइयाँ, बर्तन, औजार।

2. लघु उद्योग:- कारखाना घर से बाहर होता है।

- अर्द्धकुशल श्रमिक व यंत्रों का उपयोग।
- स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध होता है।

उदा.- कूलर बनाना, चमड़ा उद्योग, एल्युमिनियम की सामग्री बनाना आदि।

3. वृहद उद्योग: विशाल बाजार, कुशलश्रमिक, की आवश्यकता।

- विभिन्न प्रकार का कच्चा माल व उच्च तकनीक की आवश्यकता।
- अधिक पूंजी की आवश्यकता।
- अधिक उत्पादन।

उदा.- लौह-इस्पात उद्योग सूती वस्त्र उद्योग चीनी उद्योग।

29. कच्चे माल पर आधारित उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- 1. कृषि आधारित- चीनी, अचार, मसाले, तेल, पेय।

2. खनिज आधारित- लौह-इस्पात, एल्युमिनियम तांबा, सीमेंट।

3. वनों पर आधारित- इमारती लकड़ी, कागज उद्योग बांस।

4. पशु आधारित उद्योग- चमड़ा, ऊनी वस्त्र, हाथी दांत।

30. विश्व में लौह-इस्पात उद्योग के स्थानीयकरण के कारक एवं वितरण को बताइये।

उत्तर- विश्व में लौह-इस्पात उद्योग के स्थानीयकरण के प्रमुख कारक निम्नलिखित है-

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

1. कच्चे माल की उपलब्धता- लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज।
2. बाजार का समीप होना।
3. विशाल संघटित संयन्त्रों का उपयोग करना।
4. पूंजी, परिवहन, श्रमिकों की उपलब्धता।

विश्व में लौह इस्पात उद्योग का वितरण-

1. संयुक्त राज्य अमेरिका:- उत्तर अप्लेशियन प्रदेश (पीट्सबर्ग)
   - महान झील क्षेत्र (शिकागों गैरी इरी, क्लीवलैंड, लोरेन, ब्फैलो)
   - एटलांटिक तट (स्पैरोज पोइंट, मोरिस विले)
2. ग्रेट ब्रिटेन - बरमिंघम, शैफील्ड
3. सोवियत रूस - मास्को, सेंटपीट्रसबर्ग, तुला।
4. यूक्रेन - क्रिबोइरॉग, दोनेत्सक
5. जापान - नागासाकी, टोकियो, योकोहामा
6. चीन - शंघाई तियनस्तिन, बुहान
7. भारत - जमशेदपुर, दुर्गापुर, राउरकेला, भिलाई बोकारो।

31. अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन है फिर भी औद्योगिक दृष्टि से यह बहुत पिछड़ा महाद्वीप है। समीक्षा कीजिए।

उत्तर- अफ्रीका महाद्वीप के औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा होने के निम्न कारण है-

1. अधिकतर देश सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े हुए है इसलिए मूलभूत संरचनाओं का विकास नहीं हुआ है।
2. इस महाद्वीप में उच्च तकनीकी ज्ञान व पर्याप्त पूंजी के अभाव में औद्योगिक क्षेत्रों का विकास नहीं पाया है।
3. प्रतिकूल जलवायु व विषम उच्चावच्च के कारण परिवहन मार्गों का विकास नहीं हुआ।

अध्याय - 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

1. निम्न में से कौनसा एक तृतीयक क्रियाकलाप है-
   (अ) व्यापार (ब)परिवहन (स) संचार (द) उपरोक्त सभी (द)
2. निम्न में से कौनसा क्रियाकलाप चतुर्थ सेक्टर से सम्बन्धित है-
   (अ) सूचना का संग्रहण (ब) उत्पादन और प्रकीर्णन (स) अनुसंधान और विकास (द) उपरोक्त सभी (द)
3. वैश्विक संचार तंत्र में वास्तविक क्रांति का सूत्रपात किसके माध्यम से हुआ है-
   (अ) टेलीफोन (ब) इंटरनेट (स) रेडियो (द) ईमेल (ब)
4. कुल पंजीकृत रोजगारों एवं राजस्व की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप है-
   (अ) पर्यटन (ब) संचार (स) परिवहन (द) अनुसंधान (अ)
5. संचार सेवाओं में किसका प्रेषण सम्मिलित है-
   (अ) शब्दों और संदेशों का (ब) तथ्यों और विचारों (स) उपरोक्त दोनों (द) इनमें से कोई नहीं (स)
6. निम्नलिखित में से कौनसा सेक्टर दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं कोलकात्ता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है-
   (अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) पर्यटन (द) सेवा (द)
7. परिवहन दूरी को मापने का प्रकार है-
   (अ) किलोमीटर दूरी (ब) समय दूरी (स) लागत दूरी (द) उपरोक्त सभी (द)
8. प्रत्येक सड़क जो दो नगरों को जोड़ती है कहलाती है-

उत्तर- योजक

Created by Universal Document Converter

9. विश्वविद्यालयी अध्यापन क्रियाकलाप.....सेक्टर से सम्बन्धित है।

उत्तर- चतुर्थ

10. फुटकर व्यापार में वृहतम स्तर पर सर्वप्रथम नवाचार लाने वाले.....समुदाय थे।

उत्तर- उपभोक्ता सहकारी

11. परिवहन के सभी रूपों को.....पथ कहा जाता है।

उत्तर- संचार

12. अंतरिक्ष से सूचना का प्रसारण.....संचार करता है।

उत्तर- उपग्रह

13. जनसंचार माध्यम के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- रेडियो, दूरदर्शन, समाचार पत्र, टेलीफोन, आदि।

14. विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्रों में उभरते देशों के नाम लिखिए।

उत्तर- भारत, थाइलैण्ड, सिंगापुर, मलेशिया

15. व्यावसायिक सेवाओं के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- स्वास्थ्य की देखभाल, अभियांत्रिकी, विधि, प्रबन्धन आदि।

16. नोड किसे कहते है?

उत्तर- दो या अधिक मार्गों का संधि स्थल, एक उद्गम बिन्दु एक गंतव्य बिन्दु और मार्ग के सहारे बड़ा कस्बा नोड कहलाता है।

17. पर्यटकों के घरों में रूकने की व्यवस्था का गोवा व कर्नाटक में नाम बताइये।

उत्तर- गोवा-हेरीटेज होम्स, कर्नाटक- मैडीकेरे और कूर्ग

18. विकासशील देश जैसे भारत में अंकीय विभाजक को कम करने हेतु सुझाव दीजिए।

उत्तर- महानगरों के समीप स्थित ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना एवं प्रौद्योगिकी की पहुँच बढ़ायी जानी चाहिए।

19. द्वितीयक एवं तृतीयक क्रिया कलापों में मुख्य अन्तर लिखिए।

उत्तर- द्वितीयक क्रियाकलाप में उत्पादन तकनीक, मशीनरी और फैक्ट्री प्रक्रिया पर ध्यान दिया जाता है जबकि तृतीयक क्रियाकलाप कर्मियों की विशिष्टीकृत कुशलताओं, अनुभव और ज्ञान पर निर्भर है।

20. परिवहन एवं संचार में अन्तर लिखिए।

उत्तर- परिवहन में व्यक्तियों, विनिर्मित माल को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है जबकि संचार में संदेशों, विचारों का विनिमय होता है।

21. परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जनसंख्या का आकर 2. उच्चावच 3. जलवायु का प्रकार 4. विभिन्न केन्द्रों के मध्य व्यापार का प्रारूप।

22. पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. अवकाश की मांग 2. परिवहन सुविधाओं का विकास।

23. फुटकर व्यापार क्या है।

उत्तर- यह वह व्यापारिक क्रियाकलाप है जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं का प्रत्यक्ष विक्रय किया जाता है। उदा- फेरी, रेहड़ी, ट्रक, डाक आदेश, दूरभाष, इंटरनेट आदि।

24. थोक व्यापार की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- 1. थोक व्यापार का गठन बिचौलियों, सौदागरों द्वारा होता है।

2. थोक विक्रेता प्राय: फुटकर भंडारों को उधार देते है।

3. बहुसंख्यक फुटकर भण्डार बिचौलिए स्रोत से पूर्ति करते है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

25. सुमेलित कीजिए-

उत्तर-

1. द्वितीयक क्रियाकलाप	2. गुलाबी कॉलर श्रमिक
2. तृतीय क्रियाकलाप	1. नीला कॉलर श्रमिक
3. चतुर्थ क्रियाकलाप	4. स्वर्ण कॉलर श्रमिक
4. पंचम क्रियाकलाप	3. सफेद कॉलर श्रमिक

26. पर्यटन एवं पर्यटक प्रदेश को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- पर्यटन:- यह एक यात्रा है जो मनोरंजन एवं प्रमोद के उद्देश्यों के लिए की जाती है।

पर्यटक प्रदेश:- ऐसा क्षेत्र जो स्मारकों, विरासत स्थलों, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय विशेषताओं के कारण पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते है।

27. पर्यटन आकर्षण को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जलवायु 2. भू-दृश्य 3. इतिहास एवं कला 4. संस्कृति और अर्थव्यवस्था

28. अंकीय विभाजक क्या है?

उत्तर- विकसित देशों द्वारा अपने नागरिकों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच एवं इससे प्राप्त लाभ उपलब्ध करा दिये जबकि विकासशील देश अभी सभी नागरिकों तक ICT की पहुँच सुनिश्चित नहीं कर सके। इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है।

29. चिकित्सा पर्यटन किसे कहते है? भारत में चिकित्सा पर्यटन को बाने के लिए तीन सुझाव दीजिए।

उत्तर- जब चिकित्सा उपचार को पर्यटन गतिविधि से जोड़ा जाता है तो इसे चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है। विश्व स्तर पर सस्ती चिकित्सा सुविधाओं के कारण वर्ष 2005 में USA से 55,000 रोगियों ने भारत में चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया।

सुझाव

1. चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार गुणवता में वृद्धि की जानी चाहिए।
2. चिकित्सकों को अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।
3. चिकित्सा पर्यटन सुविधाओं का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

30. व्यापारिक केन्द्र किसे कहते है? प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- वे नगर एवं कस्बे जहाँ से व्यापार सम्बन्धित सम्पूर्ण गतिविधियां सम्पन्न होती है। व्यापारिक केन्द्र कहलाते है।

व्यापारिक केन्द्रों के प्रकार:-

1. ग्रामीण विपणन केन्द्र:-
- निकटवर्ती ग्रामीण बस्तियों का पोषण करते है।
- ये अर्धनगरीय केन्द्र होते है।
- व्यक्तिगत व व्यावसायिक सेवाएं विकसित नहीं होती है।

2. नगरीय बाजार केन्द्र:-
- ये नगरीय बस्तियों का पोषण करते है।
- ये नगरीय व्यापारिक केन्द्र होते है।
-यहाँ सभी प्रकार की वस्तुएँ व सेवाएं उपलब्ध होती है।

31. चतुर्थ एवं पंचम क्रियाकलापों में अन्तर लिखिए।

उत्तर-

चतुर्थ क्रियाकलाप	पंचम क्रियाकलाप
1. यह अनुसंधान एवं विकास केन्द्रित होते है।	1. यह नवीन विचार व प्रौद्योगिकी पर केन्द्रित होते है।
2. इसमें ज्ञानोन्मुखी कार्यों का समावेश होता है।	2. इसमें निर्णय लेने एवं नीति निर्माण संबंधी कार्यों का समावेश होता है।
3. इसमें शिक्षक, चिकित्सक, लेखाकार शामिल है।	3. इसमें नीति निर्माता वैज्ञानिक शामिल है।

32. बाह्यस्त्रोतन के कारण विभिन्न देशों में रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- दक्षता को सुधारने एवं लागतों को घटाने के लिए किसी बाहरी अभिकरण या निकाय को काम सौपना बाह्यस्त्रो तन कहलाता है। जब बाह्य स्त्रोतन में कार्य समुद्रपार के स्थानों पर स्थानांतरित किया जाता है तो इसे अपतरन (आफशोरिंग) कहा जाता है। बाह्य

Created by Universal Document Converter

स्त्रोतन का विकास उन देशों में हो रहा है जहां सस्ता एवं कुशल श्रम उपलब्ध है। अत: उन देशों से उत्प्रवास में भी कमी आयी है एवं रोजगार के नये अवसरों का सृजन हुआ है।

33. ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन (K.P.O.) एवं व्यवसाय प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन (B.P.O.) में अन्तर लिखिए।

उत्तर- ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में व्यवसाय प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन की तुलना में उच्च कुशलकर्मी सम्मिलित होते है एवं बेहतर व्यवसायिक अवसर होते है।

ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में अनुसंधान एवं विकास क्रियाएं, ई-लर्निंग, बौद्धिक सम्पदा, अनुसंधान, कानूनी व्यवसाय और बैंकिंग सेक्टर आते है।

अध्याय - 7
मानव बस्तियाँ

1. वर्ष 2017 के अनुसार विश्व में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत है-
(अ) 48 (ब) 54 (स) 37 (द) 61 (ब)

2. किस प्रकार की बस्तियाँ सड़क नदी या नहर के किनारे होती है?
(अ) वृत्ताकार (ब) चौक पट्टी (स) रेखीय (द) वर्गाकार (स)

3. ग्रामीण बस्तियों की मुख्य आर्थिक क्रिया है-
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) तृतीयक (द) चतुर्थ (अ)

4. 2006 के प्रारम्भ में भारत में कितने मिलियन सिटी थे-
(अ) 40 (ब) 41 (स) 42 (द) 43 (अ)

5. सन् 1915 में सन्नगर शब्दावली का प्रयोग किसने किया?
(अ) लेविस ममफोर्ड (ब) ग्रिफिथ टेलर (स) जीन गोटमेन (द)पैट्रिक गिडिज (द)

6. सन् 1957 में विश्वनगरी (मेगालोपोलिस) शब्द का प्रयोग किसने किया?
(अ) लेविस ममफोर्ड (ब) ग्रिफिथ टेलर (स) जीन गोटमेन (द) पेट्रिक गिडिज (स)

7. ''वास्तव में शहर उच्च एवं अधिक जटिल प्रकार के सहचारी जीवन का भौतिक रूप है।'' यह कथन किसका है?
(अ) लेविस ममफोर्ड (ब) ग्रिफिथ टेलर (स) जीन गोटमेन (द) पेट्रिक गिडिज (अ)

8. जब सड़के एक दूसरे को समकोण पर काटती है तो ग्रामीण बस्तियों के किस प्रतिरूप का विकास होगा-
(अ) रेखीय (ब) आयताकार (स) वृत्ताकार (द) ताराकार (ब)

9. झीलों एवं तालाबों के चारों ओर किस प्रकार का ग्रामीण बस्ती प्रतिरूप का निर्माण होता है-
(अ) आयताकार (ब) रेखीय (स) वर्गाकार (द) वृत्ताकार (द)

10. सन् 1950 में विश्व की प्रथम मेगासिटी होने का श्रेय किसने प्राप्त किया था-
(अ) टोक्यो (ब) लंदन (स) न्यूयार्क (द) पेरिस (स)

11. मिलियन सिटी किसे कहते है? विश्व का प्रथम मिलियन सिटी बनने का श्रेय किसे प्राप्त हुआ।

उत्तर- ऐसे शहर जो वित्तीय संस्थान, प्रादेशिक प्रशासकीय कार्यालय एवं यातायात के केन्द्र होते है एवं उनकी जनसंख्या 10 लाख से अधिक होती है मिलियन सिटी कहलाते है। विश्व का प्रथम मिलियन सिटी बनने का श्रेय सन् 1800 में लदंन को प्राप्त हुआ।

12. मानव बस्ती किसे कहते है?

उत्तर- मानव आवासों के संगठीत समूह को मानव बस्ती कहा जाता है। मानव बस्ती मानव भूगोल के अध्ययन का केन्द्र है।

13. उपनगरीकरण क्या है?

उत्तर- मानव द्वारा मुख्य नगर से हटकर बाहर स्वचछ एवं खुले क्षेत्रों में अधिवासों का निर्माण करना जिसके उपरान्त शहर के समीप उपनगर का निर्माण हो जाता है जहां से प्रतिदिन हजारों व्यक्ति अपने घरों से कार्य स्थलों पर आते-जाते रहते है।

14. सन्नगर किसे कहते है। उदा. दीजिए।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

उत्तर- अलग-अलग नगर आपस में मिलकर विशाल नगरीय क्षेत्र का निर्माण करते है जिसे सन्नगर कहते है। उदा. ग्रेटर लन्दन, शिकागो टोक्यो।

15. प्रशासनिक नगर क्या है?

उत्तर- राष्ट्र की राजधानियां जहां पर केन्द्रीय सरकार के प्रशासनिक कार्यालय होते है उन्हे प्रशासनिक नगर कहते है। उदा. नई दिल्ली, केनबरा, बीजिंग, वांशिगटन डी.सी. लंदन।

16. विश्वनगरी (मेगालोपोलिस) क्या है?

उत्तर- सन्नगर आपस में जुड़कर बड़े महानगर प्रदेश का निर्माण करते है जिसे विश्वनगरीय कहते है इसका सबसे अच्छा उदाहरण यू.एस.ए. में है जहां उतर में बोस्टन से दक्षिण में वांशिगटन तक नगरीय भूदृश्य के रूप में दिखाई देता है।

17. केनबरा नगर की योजना का वास्तुकार कौन था?

उत्तर- अमेरिकन वास्तुविद वाल्टर बरली ग्रिफिन ने 1912 में ऑस्ट्रेलिया की राजधानी के लिए इस उद्यान नगर की योजना बनायी।

18. सांस्कृतिक नगर के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- जैरूसलम, मक्का, जगन्नाथ, पुरी, बनारस आदि।

19. 1991 की जनगणना के अनुसार नगरीय बस्ती हेतु निर्धारित मापदण्ड बताइये।

उत्तर- 1. सभी स्थापन जहां नगरपालिका, निगम छावनी बोर्ड या अधिसूचित नगरीय क्षेत्र समिति हो।
2. कम से कम 5000 व्यक्ति निवास करते हो।
3. 75 प्रतिशत पुरूष श्रमिक गैर कृषि कार्य में सलग्न हो।
4. जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो।

20. WHO के अनुसार एक स्वस्थ शहर क्या है?

उत्तर- 1. स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण।
2. सभी निवासियों को आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति।
3. सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता।

21. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने नगर रणनीति में क्या प्राथमिकताएं बताई है।

उत्तर- 1. नगरीय निर्धनों के लिए आश्रय स्थल में वृद्धि।
2. आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता।
3. वायु प्रदूषण को कम करना।

22. अदीस अबाबा (नवीन पुष्प) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- 1. यह इथोपिया की राजधानी है जिसकी स्थापना 1878 में हुई थी।
2. सम्पूर्ण नगर पर्वत घाटी स्थलाकृति पर स्थित है।
3. मरकाटो में बहुत विकसित बाजार है।
4. जिबूती-अदीस अबाबा रेलमार्ग का अंतिम स्टेशन है।

23. ग्रामीण बस्तियों के बसाव को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जल आपूर्ति 2. भूमि 3. उच्च भूमि के क्षेत्र 4. गृह निर्माण सामग्री 5. सुरक्षा।

24. आकृति के आधार पर ग्रामीण बस्तियों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- आकृति के आधार पर ग्रामीण बस्तियां दो प्रकार की होती है।
1. संहत बस्ती : इन बस्तियों में मकान एक-दूसरे के समीप होते है।
इनका विकास नदी घाटियों के उपजाऊ मैदानों में होता है।
2. प्रकीर्ण बस्ती:
- मकान दूर-दूर होते है।
- प्राय: खेतों के द्वारा आवास एक दूसरे से अलग होते है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

25. ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों में अन्तर लिखिए।

उत्तर-

ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
1. अधिकतर लोग प्राथमिक क्रियाकलाप में संलग्न होते है।	1. द्वितीयक, तृतीयक, चतुर्थ क्रियाकलाप में संलग्न होते है।
2. जनसंख्या घनत्व कम होता है।	2. जनसंख्या घनत्व अधिक होता है।
3. रोजगार के कम अवसर होते है।	3. रोजगार के अधिक अवसर होते है।

26. नम बिन्दु बस्तियाँ क्या है?

उत्तर- जल स्त्रोतों जैसे नदियाँ, झीलें, झरने के समीप स्थित बस्तियाँ नम बिन्दु बस्तियां कहलाती है। नम बिन्दु बस्तियों में पीने खाना बनाने, सिंचाई, मछली पकड़ने इत्यादित कार्यों के लिए जल की आपूर्ति हो जाती है।

27. शुष्क बिन्दु बस्तियाँ क्या है?

उत्तर- मानव द्वारा बाढ़ के द्वारा होने वाली क्षति से बचाव के लिए ऊँचे क्षेत्र जैसे नदी वैदिकाओं एवं तटबंधों पर निर्मित बस्तियां शुष्क बिन्दु बस्तियां कहलाती है। उष्णकटीबंधीय देशों के दलदली क्षेत्रों के निकट लोग अपने मकान स्तम्भों पर बनाते है ताकि बाढ़ एवं कीड़े-मकोड़ों से बचा जा सके।

28. नियोजित बस्तियाँ क्या है? उदा. लिखिए।

उत्तर- सरकार द्वारा अधिगृहित की गई भूमि पर लोगों को आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराकर बस्तियों का विकास करना।
उदा. इथोपिया में सरकार द्वारा ग्रामीणीकरण योजना एवं भारत में इंदिरा गाँधी नहर क्षेत्र में नहरी बस्तियों का विकास।
नियोजित नगर- चंडीगढ़ एवं केनबरा।

29. ग्रामीण बस्तियों की मुख्य समस्याएं लिखिए।

उत्तर- 1. पर्याप्त जल आपूर्ति का अभाव।
2. शौचघर एवं कूड़ा-कचरा निस्तारण का अभाव।
3. कच्ची सड़क व आधुनिक संचार साधनों की कमी।
4. स्वास्थ्य एवं शिक्षा सम्बन्धी सुविधाओं का अभाव।

30. नगरीय बस्तियों की प्रमुख समस्याएँ लिखिए।

उत्तर- 1. गंदी बस्तियों का प्रादुर्भाव।
2. पीने योग्य जल की कमी।
3. जल व वायु प्रदूषण।
4. आवासों की कमी।

31. विकासशील देशों में मानव बस्तियों की प्रमुख समस्याएँ बताइये।

उत्तर- 1. आर्थिक समस्याएँ : रोजगार के घटते अवसर, अकुशल, अर्धकुशल श्रमिकों की संख्या में वृद्धि।, आर्थिक संसाधनों पर दबाव।
2. सामाजिक-सांस्कृतिक समस्याएँ:-
- स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं का गरीब लोगों की पहुंच से बाहर होना।
- बेरोजगारी के कारण अपराधों में बढ़ोत्तरी।
- लिंगानुपात असंतुलित होना।
3. पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएँ :
- घरेलू व औद्योगिक अपशिष्ट के निस्तारण की समस्या।
- वायु प्रदूषण एवं जल प्रदूषण की समस्या।
- जनसंख्या को आवास प्रदान करने की लिए विशाल कंकरीट ढाँचों का निर्माण जिससे नगरों में उष्मद्वीप का निर्माण होता है।

32. ग्रामीण बस्तियों में उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए उचित सुझाव दीजिए।

उत्तर- 1. रोजगार के अवसरों का सृजन।
2. चिकित्सा एवं शिक्षा सुविधाओं का विस्तार।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

3. जल आपूर्ति सुनिश्चित करना।

4. संचार सुविधाओं का विस्तार करना।

33. स्थान (साइट) एवं स्थिति (सिचुएशन) के मध्य अन्तर बताइये।

उत्तर- स्थान (साइट):- स्थान से तात्पर्य उस वास्तविक भूमि से है जिस पर बस्ती विकसित हुई है।

स्थिति (सिचुएशन) :- अपने परिवेश के सन्दर्भ में किसी स्थान पर अवस्थित कोई बस्ती, जिन सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक परिवेश के बीच बसी होती है उन दशाओं को बस्ती की स्थिति कहते है।

34. नगरीय बस्तियों के वर्गीकरण का आधार लिखिए।

उत्तर- 1. जनसंख्या का आकार।

2. व्यावसायिक संरचना।

3. प्रशासन

35. ग्रामीण बस्तियों के सभी प्रतिरूपों का चित्र बनाइये।

उत्तर-

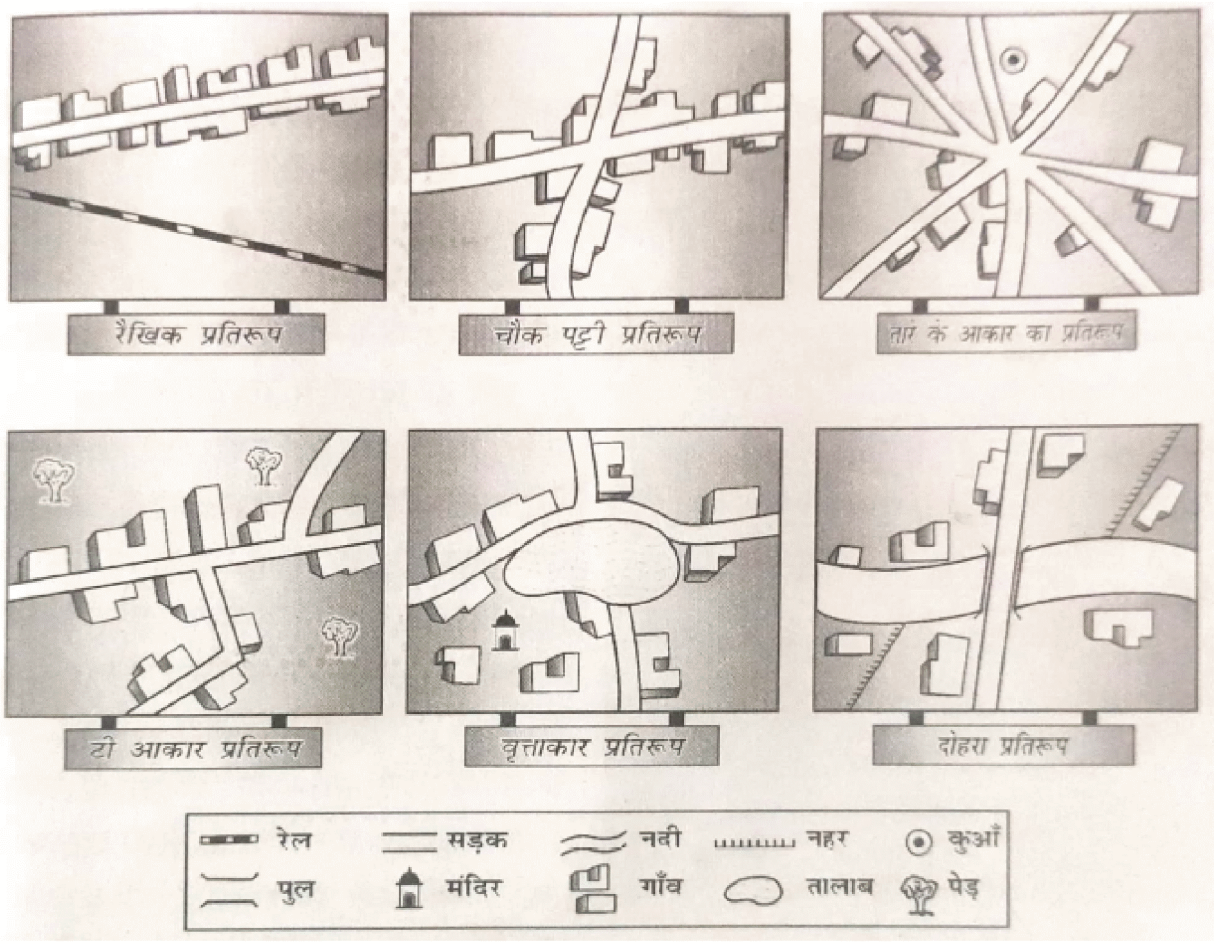

Created by Universal Document Converter

भारत-लोग और अर्थव्यवस्था
भाग-2

अध्याय - 1
जनसंख्या: वितरण, घनत्व, वृद्धि और संगठन

1. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में सर्वाधिक जनघनत्व वाला राज्य है-
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) राजस्थान (स) बिहार (द) महाराष्ट्र (स)

2. सम्पूर्ण देश में प्रथम जनगणना कब सम्पन्न हुई?
(अ) 1872 ई. (ब) 1881 ई. (स) 1971 ई. (द) 1981 ई. (ब)

3. देश की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत गांवों में निवास करता है?
(अ) 30 प्रतिशत (ब) 50.50 प्रतिशत (स) 68.8 प्रतिशत (द) 38.99 प्रतिशत (स)

4. निम्न में से किस समयावधि में जनसंख्या वृद्धि दर अत्यन्त निम्न थी?
(अ) 1931-1941 (ब) 1921-1931 (स) 1951-1961 (द) 1961-1971 (ब)

5. निम्न लिखित में सर्वाधिक विशाल आकार वाला राज्य है-
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) मध्यप्रदेश (स) राजस्थान (द) बिहार (स)

6. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य कौनसा है?
(अ) गोवा (ब) हरियाणा (स) सिक्किम (द) त्रिपुरा (स)

7. भारत में न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य है-
(अ) आन्ध्रप्रदेश (ब) अरूणाचल प्रदेश (स) हरियाणा (द) उड़ीसा (ब)

8. जनसंख्या संगठन में अध्ययन किया जाता है-
(अ) निवास स्थान का (ब) जनजातियों का (स) भाषा व धर्म का (द) उपर्युक्त सभी का (द)

9. भारत का क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल का लगभग कितना प्रतिशत है?
(अ) 2.4 प्रतिशत (ब) 3.4 प्रतिशत (स) 3.1 प्रतिशत (द) 2.1 प्रतिशत (अ)

10. वर्ग 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर है-
(अ) 73.01% (ब) 74% (स) 72% (द) 73.5% (अ)

11. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का औसत जनसंख्या घनत्व है?
(अ) 380 (ब) 392 (स) 382 (द) 390 (स)

12. जनगणना 2011 के अनुसार भारत में जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर कितनी है?
(अ) 1.64 प्रतिशत (ब) 1.18 प्रतिशत (स) .92 प्रतिशत (द) 2.22 प्रतिशत (अ)

13. भारतीय संविधान में कितनी भाषाएँ अनुसूचित हैं?
(अ) 19 (ब) 20 (स) 21 (द) 22 (द)

14. किसी श्रमिक को मुख्य श्रमिक कहलाने हेतु वर्ष में न्यूनतम कितने दिन कार्य करना चाहिए?
उत्तर- 183 दिन

15. जनसंख्या संघटन से क्या आशय है?
उत्तर- जनसंख्या की प्रजातिगत, सामाजिक और आर्थिक विशेषताओं को जनसंख्या संगठन कहते है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

16. भारत में न्यूनतम जनघनत्व वाले केन्द्रशासित प्रदेश का नाम लिखिए।

उत्तर- अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह

17. आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या को कितने वर्गों में बांटा जा सकता है?

उत्तर- तीन वर्गों में बाँटा जा सकता है- 1. मुख्य श्रमिक, 2. सीमान्त श्रमिक, 3. अश्रमिक

18. भारत में राष्ट्रीय युवा नीति कब आरम्भ की गई?

उत्तर- फरवरी 2014

19. जनसंख्या घनत्व से क्या आशय है?

उत्तर- प्रति वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर निवासित व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहा जाता है।

20. जनसंख्या के संदर्भ में समस्त विश्व में भारत का कौनसा स्थान है?

उत्तर- द्वितीय स्थान

21. भारत के कुछ राज्यों श्रम सहभागिता दर ऊँची क्यों है?

उत्तर- आर्थिक विकास के निम्न स्तर वाले राज्यों में श्रम की सहभागिता दर ऊँची है क्योंकि पिछड़े राज्यों में निर्वाह की आर्थिक क्रियाओं को पूरा करने के लिए अधिक श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है।

22. भारत में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर- भारत में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले अनेक कारकों में जलवायु, धरातलीय स्वरूप, नगरीकरण, कृषि योग्य भूमि की उपलब्धता आदि है। 1. जलवायु:- अनुकूल जलवायु वाले क्षेत्र में जनसंख्या वितरण में सघनता पाई जाती है जबकि कठोर जलवायु वाले क्षेत्रों में जनसंख्या का विरल वितरण पाया जाता है जैसे- थार मरुस्थल, उच्च पर्वतीय भागों में जनसंख्या घनत्व की कमी होती है।

23. जनसंख्या वृद्धि के दो घटकों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- जनसंख्या वृद्धि के निम्नलिखित दो घटक होते हैं-

1. प्राकृतिक वृद्धि:- जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर को अशोधित जन्म दर व मृत्यु दर के शुद्ध अन्तर के आधार पर ज्ञात किया जाता है।

2. अभिप्रेरित वृद्धि:- जनसंख्या की अभिप्रेरित वृद्धि एक विशिष्ट क्षेत्र के स्रोतों के अन्तर्वर्ती और बर्हिवर्ती संचलन की कुल मात्रा द्वारा ज्ञात किया जाता है।

24. भारत में जनसंख्या वृद्धि से पड़ने वाले चार प्रमुख प्रभाव बताइए।

उत्तर- 1. पर्यावरणीय समस्या
2. आवासीय समस्या
3. संसाधनों के विदोहन की समस्या
4. बेरोजगारी की समस्या

25. जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने हेतु चार सुझाव दीजिए।

उत्तर- 1. विवाह की न्यूनतम आयु में वृद्धि करना।
2. परिवार कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार।
3. शिक्षा
4. ठोस सरकारी नीतियां

26. भारत में 1911-1921 की अवधि में जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि दर के लिए उत्तरदायी कारण बताइए।

उत्तर- 1. अकाल व महामारी का फैलना।
2. चिकित्सा व स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी
3. निरक्षरता एवं अंधविश्वास
4. भोजन की कमी आदि।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

27. मुख्य श्रमिक तथा सीमान्त श्रमिक में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 1. मुख्य श्रमिक :- ऐसा व्यक्ति जो वर्ष मं कम से कम 183 दिन आर्थिक दृष्टि से लाभकारी कार्य करता है।

2. सीमान्त श्रमिक :- वह व्यक्ति जो वर्ष भर में 183 से कम दिन कार्य करता है।

अध्याय - 2
प्रवास प्रकार, कारण और परिणाम

1. भारत में प्रवास सम्बन्धी आँकड़ों को सर्वप्रथम किस जनगणना में दर्ज किया गया?
(अ) 1871 ई. (ब) 1881 ई. (स) 1981 ई. (द) 1991 ई. (ब)

2. भारत में किस पड़ोसी देश से सर्वाधिक प्रवासी आते है (2011 के अनुसार)
(अ) बांग्लादेश (ब) नेपाल (स) श्रीलंका (द) पाकिस्तान (अ)

3. किस राज्य में सर्वाधिक संख्या में आप्रवासी आते हैं?
(अ) दिल्ली (ब) उत्तरप्रदेश (स) बिहार (द) महाराष्ट्र (द)

4. उत्प्रवासियों की सर्वाधिक संख्या वाले राज्य हैं?
(अ) महाराष्ट्र, दिल्ली (ब) गुजरात, हरियाणा (स) उत्तरप्रदेश, बिहार (द) महाराष्ट्र, हरियाणा (स)

5. प्रवास के वे कारण जो विभिन्न स्थानों से लोगों को आकर्षित करते हैं, कहलाते हैं-
(अ) अपकर्ष कारक (ब) प्रतिकर्ष कारक (स) उत्प्रवास (द) आप्रवास (अ)

6. जो लोगों के निवास स्थान अपना उद्‌गम स्थान को छुड़वाने का कारण बनते है, कहलाते हैं-
(अ) जनाकिकी कारक (ब) अपकर्ष कारक (स) प्रतिकर्ष कारक (द) आप्रवास (स)

7. भारत में पुरुष प्रवास का मुख्य कारण है-
(अ) शिक्षा (ब) विवाह (स) व्यवसाय (द) काम और रोजगार (द)

8. प्रवास के कारणों की सूचना का समावेश भारत की कौनसी जनगणना में किया गया?
(अ) 1951 (ब) 1961 (स) 1981 (द) 2011 (स)

9. स्त्रियों का सर्वाधिक प्रवास किस धारा के अन्तर्गत हुआ?
(अ) ग्रामीण से ग्रामीण (ब) नगर से नगर (स) नगर से ग्रामीण (द) ग्रामीण से नगर (अ)

10. किसी व्यक्ति या व्यक्ति समूह द्वारा अपने निवास से स्थायी गमन कहलाता है-
(अ) गमन (ब) प्रस्थान (स) प्रवास (द) अप्रवास (स)

11. दो केन्द्रशासित प्रदेशों के नाम बताइए जिनमें आप्रवास सर्वाधिक होता है-

उत्तर- दिल्ली व चण्डीगढ़

12. उपनिवेश काल में भारतीय उत्प्रवास अधिनियम को किस नाम से जाना जाता था?

उत्तर- गिरमिट एक्ट

13. सामाजिक प्रवास के प्रमुख प्रकार लिखो।

उत्तर- स्थायी तथा अस्थायी प्रवास

14. आंतरिक प्रवास की चार धाराओं के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. ग्रामीण से ग्रामीण, त. ग्रामीण से नगर, 3. नगर से नगर, 4. नगर से ग्रामीण

15. भारत में स्त्रियों का सर्वाधिक प्रवास किस कारण से होता है?

उत्तर- विवाह जन्म कारण से।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

16. प्रवास के प्रतिकर्ष कारक क्या होते हैं?

उत्तर- प्रवास के प्रतिकर्ष कारक वे होते हैं जो लोगों को निवास स्थान अथवा जन्म-स्थान को छुड़वाने का कार्य करते हैं जैसे- प्राकृतिक आपदाएँ, बेरोजगारी आदि।

17. प्रवास के अपकर्ष कारक क्या होते हैं?

उत्तर- प्रवास के अपकर्ष कारक वे होते हैं जो विभिन्न स्थानों से व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित करते है यथा रोजगार उपलब्धता, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं आदि।

18. ग्रामीण से नगरीय प्रवास के कोई दो जनांकिकीय परिणाम लिखिए।

उत्तर- 1. नगरों की जनसंख्या में वृद्धि हो जाती है। 2. नगरों में लिंगानुपात घट जाता है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात बढ़ जाता है।

19. ग्रामीण से नगरीय प्रवास के कोई दो पर्यावरणीय परिणाम लिखिए।

उत्तर- 1. ग्रामीण से नगरीय प्रवास के कारण नगरों की वर्तमान सामाजिक व भौतिक संरचना पर दबाव पड़ता है जिससे नगरीय बस्तियों की अनियोजित वृद्धि तथा गंदी बस्तियों का निर्माण होता है।

2. प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन के कारण नगर भौमजल स्तर में कमी, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण आदि गम्भीर समस्याएं पैदा होती है।

20. हुंडी क्या है?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्देशीय प्रवासियों द्वारा अपने मूल-स्थान अथवा निवास स्थान को भेजी जाने वाली धनराशि हुंडी कहलाती है।

21. अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास क्या है? भारत में अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास के कोई दो कारण बताइए।

उत्तर- एक देश से दूसरे देश में होने वाला प्रवास अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास कहलाता है। इसके कारण है-

1. धार्मिक एवं सामाजिक कारण
2. राजनैतिक कारण

22. प्रवास के सामाजिक परिणाम बताइए।

उत्तर- 1. प्रवास से नवीन तकनीक, परिवार नियोजन, बालिका शिक्षा आदि से जुड़े नवीन विचारों का प्रसार नगरीय क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर होता है।

2. प्रवास से विविध संस्कृतियों के लोगों का मिलन होता है जिससे मिश्रित संस्कृति का उद्‌भव होता है।

23. भारत में ग्रामीण से नगरीय क्षेत्रों में प्रवास के चार प्रतिकर्ष कारणों के नाम लिखिए।

उत्तर- प्रतिकर्ष कारक-

1. गरीबी 2. बाढ़ 3. स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी
4. शिक्षा अवसरों की कमी

24. देश के कौनसे राज्य आंतरिक प्रवास के लिए प्रवासियों को सर्वाधिक आकर्षित करते हैं?

उत्तर- भारत में महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात और हरियाणा आदि राज्य प्रवासियों को सर्वाधिक संख्या में आकर्षित करते हैं।

अध्याय - 3
मानव बस्ती

1. आर्थिक वृद्धि के नोड के रूप में कार्य करते है-

(अ) गाँव (ब) संचार (स) नगर (द) ये सभी (स)

2. निम्न में से ग्रामीण बस्ती का प्रकार है-

(अ) गुच्छित (ब) अर्द्धगुच्छित (स) पल्लीकृत (द) ये सभी (द)

3. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत रहा-

(अ) 26.87 (ब) 31.16 (स) 28.78 (द) 29.87 (ब)

4. ग्रामीण बस्तियां सम्बन्धित होती है-

(अ) प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं से (ब) द्वितीयक आर्थिक क्रियाओं से

Created by Universal Document Converter

(स) तृतीयक आर्थिक क्रियाओं से (द) चतुर्थक आर्थिक क्रियाओं से (अ)

5. 'नंगला' क्या है?

(अ) गुच्छित बस्तियों का स्थानीय नाम (ब) पल्लीकृत बस्तियों का स्थानीय नाम

(स) एक पोशाक (द) स्थान का नाम (ब)

6. एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरीय केन्द्रों को क्या कहा जाता है?

(अ) प्रथम वर्ग का नगर (ब) द्वितीय वर्ग का नगर (स)चतुर्थ वर्ग का नगर (द) पंचम वर्ग का नगर (अ)

7. भारत की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौनसी एक विशेषता नगर की परिभाषा का अंग नहीं है?

(अ) जन घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी (ब) नगरपालिका, नगरनिगम का होना

(स) 75 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का प्राथमिक कार्यों से संलग्न होना

(द) जनसंख्या आकार 5000 से अधिक (स)

8. जनगणना-2011 के अनुसार भारत का सबसे बड़ा नगरीय संकुल है?

(अ) दिल्ली (ब) चेन्नई (स) बंगलुरु (द) मुंबई (द)

9. राजस्थान के किन्हीं दो महानगरीय शहरों के नाम लिखिए।

उत्तर- जयपुर, जोधपुर व कोटा

10. प्रशासनिक नगर किसे कहा जाता है?

उत्तर- उच्च कार्यों के प्रशासनिक मुख्यालय प्रशासनिक नगर कहलाते है जैसे- राज्यों की राजधानियाँ

11. किन्हीं दो गैरीसन नगरों के उदाहरण दीजिए।

उत्तर- अम्बाला, जालन्धर, उधमपुर।

12. पल्ली बस्तियों के स्थानीय नाम लिखिए।

उत्तर- ढाणी, पाली, पाड़ा, नगला

13. नगरीय बस्तियाँ किसे कहते हैं?

उत्तर- ऐसे बड़े अधिवास जिनमें मुख्यत: द्वितीयक व तृतीयक क्रिया-कलाप किये जाते हैं, नगरीय बस्तियां कहलाती है।

14. ग्रामीण बस्तियों के प्रकार किसके आधार पर निर्धारित होते है?

उत्तर- (i) उच्चावच (ii) स्थलाकृति (iii) जलबायु (iv) जल की उपलब्धता

15. भारत में नगरों का अभ्युदय किस काल में हुआ?

उत्तर- भारत में नगरों का अभ्युदय प्रागैतिहासिक काल में हुआ।

16. ग्रामीण बस्तियाँ कितने प्रकार की होती है? नाम लिखिए।

उत्तर- ग्रामीण बस्तियों के चार प्रकार हैं-

(i) गुच्छित (ii) अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ (iii) पल्लीकृत बस्तियाँ (iv) एकाकी बस्तियाँ

17. खनन नगर क्या है? उदाहरण दीजिए।

उत्तर- ऐसे नगर जो खनिज समूह क्षेत्रों में विकसित हुए हैं, खनन नगर कहलाते है, जैसे- खेतड़ी, झरीया, रानीगंज, सिंहभूमि

18. गैरीसन नगर क्या होते है?

उत्तर- ऐसे नगर जिनमें सैनिक छावनियाँ स्थित होती है, गैरीसन नगर कहलाते हैं?

19. जनसंख्या के आधार पर नगरों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर-

जनसंख्या	**नगर**
एक लाख से दस लाख तक	नगर
10 लाख से 50 लाख तक	महानगर
50 लाख से अधिक	मेगानगर

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

20. प्रकार्यात्मक क्षेत्र के आधार पर नगरों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- प्रकार्यात्मक आधार पर नगरों का वर्गीकरण निम्न प्रकार किया गया है-

(i) प्रशासिनक नगर (ii) औद्योगिक नगर (iii) खनन नगर (iv) परिवहन नगर (v) पतन नगर (vi) पर्यटन नगर (vii) शैक्षिक नगर

21. निम्न को सुमेलित कीएिज-

उत्तर- (i) प्रशासिनक नगर - चण्डीगढ़

(ii) औद्योगिक नगर - भिलाई

(iii) शैक्षिक नगर - कोटा

(iv) पर्यटन नगर - शिमला

22. ग्रामीण व नगरीय बस्तियों में कोई दो आधारभूत अन्तर कीजिए।

उत्तर- ग्रामीण एवं शहरी बस्तियों मुख्य अन्तर निम्न है-

	ग्रामीण बस्तियाँ	**नगरीय बस्तियाँ**
1.	ग्रामीण बस्तियाँ अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिआधारित प्राथमिक क्रियाओं से करती हैं।	नगरीय बस्तियों अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति द्वितीयक एवं तृतीयक आर्थिक क्रियाओं से करती हैं।
2.	ग्रामीण लोग कम गतिशील होते है जबकि इनके सामाजिक सम्बन्ध घनष्ठि होते हैं।	नगरीय क्षेत्रों में जीवन का ढंग जटिल और तीव्र होता है जबकि सामाजिक सम्बन्ध औपचारिक होते हैं।

23. स्मार्ट सिटी मिशन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- भारत सरकार द्वारा देश के कुछ चुनिन्दा शहरों में आधारभूत सुविधाएँ, स्वच्छ पर्यावरण तथा नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने हेतु अभियान शुरू किया गया है, जिसे स्मार्ट सिटी मिशन के नाम से जाना जाता है। स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधान लागू करना, प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम करना तथा कुछ नगरों को उच्च सुविधायुक्त मॉडल के रूप में विकसित करना है।

24. भारत में पाई जाने वाली ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारत में चार प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ पायी जाती है जो निम्नलिखित है-

(i) गुच्छित बस्तियाँ:- इन बस्तियों में आवासीय क्षेत्र स्पष्ट रूप से चारों ओर फैले खेत, खलिहान तथा चारागाहों से अलग होता है। गुच्छित बस्तियाँ उपजाऊ जलोढ़ मैदानों तथा उत्तरी-पूर्वी राज्यों में पाई जाती है।

(ii) अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ:- इस प्रकार की बस्तियों को विखण्डित बस्तियाँ भी कहा जाता है। इन बस्तियों में ग्रामीण समाज का एक या अधिक वर्ग स्वेच्छा या मजबूरी वश मुख्य गुच्छित बस्ती से अलग बस्ती बनाकर रहने लगे हैं। ऐसी बस्तियाँ राजस्थान एवं गुजरात के कुछ भू-भागों में पाई जाती हैं।

(iii) पल्लीकृत बस्तियाँ:- इन बस्तियों को पुखा, पान्ना, पाडा, पाली, नंगला व ढाणी आदि नामों से जाना जाता है। इनका निर्माण जातीय व्यवस्था के कारण उत्पन्न सामाजिक अलगाव से होता है। ऐसी बस्तियाँ गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़, हिमाचल की निचली घाटियां में पाई जाती है।

(iv) परिक्षिप्त बस्तियाँ:- परिक्षिप्त बस्तियों को एकाकी बस्तियों के नाम से भी जाना जाता है। ये बस्तियाँ प्रारूप विहिन होती है क्योंकि इनमें कुछ ही घर होते हैं। इस प्रकार की बस्तियाँ मुख्य रूप से मेघालय, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, केरल, जम्मू-कश्मीर आदि क्षेत्रों में पाई जाती है।

25. भारतीय नगरों का प्राकर्यात्मक वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर- केन्द्रीय कार्यों को सम्पादित करने के अलावा भारत अनेक नगर कुछ विशिष्ट कार्यों के कारण जाने जाते हैं उन्हीं विशिष्ट कार्यों की प्रधानता के कारण भारत के नगरों को नौ वर्गों में रखा गया है-

(i) प्रशासनिक नगर:- ऐसे नगर जिनमें उच्च क्रम के प्रशासनिक कार्य सम्पादित किये जाते है, इनमें मुख्यत: राजधानियाँ शामिल है जैसे- जयपुर, दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ आदि।

(ii) औद्योगिक नगर:- ऐसे नगर जो विशिष्ट औद्योगिक इकाइयों के लिए जाने जाते है जैसे- मुम्बई, कानपुर, सूरत, भिलाई, जमशेदपुर आदि।

Created by Universal Document Converter

(iii) व्यापारिक नगरः- नगर, जिनमें व्यापार एवं वाणिज्य की प्रधानता होती है जैसे- कोलकाता, मुजफ्फर नगर, सहारनपुर।

(iv) परिवहन नगरः- ऐसे नगर जिनमें परिवहन सेवाएं सर्वप्रमुख केन्द्रीय कार्य होता है। इनमें देश के सभी बन्दरगाह नगर तथा आन्तरिक परिवहन के केन्द्र सम्मिलित है।

(v) खनन नगरः- इस श्रेणी के नगर खनिज सम्पन्न क्षेत्रों में विकसित होते है। अंकलेश्वर, सिंगरौली, झरिया, रानीगंज आदि प्रमुख खनन नगर है।

(vi) गैरीसन (छावनी) नगरः- इन नगरों का विकास सैनिक छावनियों के रूप में हुआ। अम्बाला, नीमच, जालन्धर, उधमपुर इस श्रेणी के प्रमुख शहर है।

(vii) पर्यटन नगरः- ऐसे नगर जिनमें केन्द्रीय कार्यों में पर्यटन कार्य सर्वाधिक प्रभावी होते हैं जैसे नैनीताल, शिमला, मसूरी, पंचमढ़ी, माउण्टआबू आदि।

(viii) शैक्षणिक नगरः- ऐसे नगर शैक्षणिक कार्यों के लिए प्रसिद्ध होते है। रूडकी, ग्रेटर नोएडा, वाराणसी, पिलानी प्रमुख शैक्षणिक नगर है।

(ix) धार्मिक तथा सांस्कृतिक नगरः- इस श्रेणी में धार्मिक अथवा सांस्कृतिक महत्व रखने वाले नगर आते हैं। उदाहरण के लिए मथुरा, वृन्दावन, वाराणसी, अजमेर, तिरूपति आदि।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

अध्याय - 4
भूसंसाधन तथा कृषि

1. निम्न में से कौन-सा भू-उपयोग वर्गीकरण में सम्मिलित नहीं है?
(अ) परती भूमि (ब) सीमांत भूमि (स) निवल बोया गया क्षेत्र (द) बंजर व व्यर्थ भूमि (ब)

2. शुष्क कृषि में निम्न में से कौनसी फसल नहीं बोई जाती?
(अ) ज्वार (ब) मूँगफली (स) ज्वार (द) गन्ना (द)

3. निम्न में से कौनसा सिंचित क्षेत्रों में भू-निम्नीकरण का मुख्य प्रकार है?
(अ) अवनालिका अपरदन (ब) मृदा लवणता (स) वायु अपरदन (द) परत अपरदन (ब)

4. भू-उपयोग सम्बन्धी अभिलेख कौनसा विभाग रखता है-
(अ) नीति आयोग (ब) भू-राजस्व विभाग (स) वन विभाग (द) राष्ट्रीय विकास परिषद् (ब)

5. भू-राजस्व विभाग द्वारा भू-उपयोग को कितने वर्गों में वर्गीकृत किया है?
(अ) 7 (ब) 9 (स) 13 (द) 15 (ब)

6. वह भूमि जो प्रचलित प्रौद्योगिक की मदद से कृषि योग्य नहीं बनायी जा सकती है-
(अ) वर्तमान परती भूमि (ब) पुरातन परती भूमि (स) स्थायी चारागाह क्षेत्र (द) बंजर व व्यर्थ भूमि (द)

7. वह भूमि जिस पर फसले उगाई व काटी जाती है, कहलाती है?
(अ) सकल बोया क्षेत्र (ब) निवल बोया क्षेत्र (स) कृषि गहनता (द) चारागाह भूमि (ब)

8. निम्न में से कौनसी रबी की फसल है?
(अ) चावल (ब) गेहूँ (स) कपास (द) मक्का (ब)

9. निम्न में से कौनसी खरीफ की फसल है-
(अ) चावल (ब) गेहूँ (स) सरसों (द) चना (अ)

10. भारत में सर्वाधिक चाय उत्पादन करने वाला राज्य है?

अथवा

भारत में सर्वप्रथम चाय की कृषि कौनसे राज्य में प्रारम्भ की गयी-
(अ) पश्चिमी बंगाल (ब) असम (स) आन्ध्रप्रदेश (द) तमिलनाडू (ब)

11. गन्ना/चावल/कपास की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है-
(अ) पहला (ब) दूसरा (स) तीसरा (द) चौथा (ब)

12. लाल चना एवं पिजन पी.के नाम से जाना जाता है-
(अ) चना (ब) सोयाबीन (स) अरहर (द) जौ (स)

13. निम्न में से कौनसी तिलहन फसल नहीं है-
(अ) मूँगफली (ब) सरसों (स) सूरजमुखी (द) अरहर (द)
नोट:- तिलहन फसलें:- मूंगफली, तोरिया, सरसों, सोयाबीन, सुरजमुखी, तारामीरा आदि।

14. शुष्क कृषि में निम्न में से कौनसी फसल नहीं बोई जाती है?
(अ) रागी (ब) ज्वार (स) बाजरा (द) गन्ना (द)

15. निम्न में से कौन-से देशों में गेहूँ व चावल की अधिक उत्पादकता की किस्में विकसित की गयी थी?
(अ) मैक्सिकों तथा फिलीपींस (ब) जापान तथा संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) जापान तथा सिंगापुर (द) मैक्सिको तथा आस्ट्रेलिया (अ)

16. अरेबिका, रोबस्ता व लिबेरिका है-
(अ) चाय की किस्में (ब) कॉफी की किस्में (स) गन्ना की किस्में (द) चावल री किस्में (ब)

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

17. निम्न में से भारतीय कृषि की समस्या नहीं है-
(अ) अनियमित मानसून (ब) भूमि सुधारों में कमी (स) उच्च उत्पादकता (द) निम्न उत्पादकता (स)

18. औस, अमन तथा बोरो सम्बन्धित है?
(अ) गेहूँ से (ब) चावल से (स) चाय से (द) कॉफी से (ब)

19. दक्षिण-पश्चिमी मानसून के साथ बोयी जाने वाली फसल ऋतु है-
(अ) रबी (ब) खरीफ (स) जायद (द) उपरोक्त सभी (ब)

20. भारत में कुल बोये गये क्षेत्र के कितने प्रतिशत भाग पर अनाज बोया जाता है-
(अ) 45 प्रतिशत (ब) 54 प्रतिशत (स) 64 प्रतिशत (द) 74 प्रतिशत (ब)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

21. भारत में सर्वाधिक उत्पादन उत्तम किस्म की.....कॉफी का होता है-

उत्तर- अरेबिका

22. चाय एक.....कृषि है।

उत्तर- रोपण

23. चाय-निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में.....है।

उत्तर- दूसरा

24. भारत का सर्वाधिक कॉफी उत्पादक राज्य.....है।

उत्तर- कर्नाटक

या

भारत में 2/3 से अधिक कॉफी उत्पादक राज्य.....है।

25. ग्राम पंचायत या सरकार के स्वामित्व वाली भूमि को.....कहा जाता है।

उत्तर- साझा सम्पत्ति संसाधन

26. वह भूमि जो एक कृषि वर्ष या उससे कम समय तक कृषि रहित रहती है.....कहलाती है।

उत्तर- वर्तमान परती भूमि

27. वह भूमि जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षों से कम समय तक कृषि रहित रहती है.....कहलाती है।

उत्तर- पुरात्व परती भूमि

28. भारत में रबी की फसल.....में बोई जाती है।

उत्तर- अक्टूबर-नवंबर में।

29. भारत में चावल के पश्चात्.....दूसरा प्रमुख अनाज है।

उत्तर- गेहूँ

30. कपास.....फसल है।

उत्तर- रेशेदार/उष्ण कटिबन्धीय।

<u>अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

31. कृषि गहनता की गणना का सूत्र लिखो?

उत्तर- कृषि/फसल गहनता= $\frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल बोया गया क्षेत्र}} \times 100$

32. आर्द्रता के आधार पर कृषि कितने प्रकार की हाती है?

उत्तर- दो प्रकार की 1. सिंचित कृषि, 2. वर्षा निर्भर या बरानी कृषि

33. वर्षा निर्भर कृषि उपलब्ध आर्द्रता के आधार पर कितने भागों में बांटी जाती है?

उत्तर- दो भागों में- 1. शुष्क कृषि भूमि (75 सेमी. से कम वर्षा)

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

2. आर्द्र कृषि भूमि

34. पश्चिमी बंगाल में चाय उत्पादक क्षेत्र कौनसे है? नाम लिखो।

उत्तर- 1. दार्जिलिंग 2. जलपाइगुडी, 3. कूचबिहार

35. पश्चिमी बंगाल में चावल की कौनसी तीन फसलें लेते है? नाम लिखिये।

उत्तर- 1. ओस, 2. अमन, 3. बोरो

36. नरमा क्या है?

उत्तर- देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में अमेरिकन कपास को 'नरमा' कहा जाता है।

37. चाय की पत्तियों में कौनसे तत्वों की प्रचुरता पायी जाती है?

उत्तर- कैफिन तथा टेनिन

38. भारत में कॉफी की कृषि किन क्षेत्रों में की जाती है?

अथवा

भारत में कॉफी उत्पादक राज्य है?

उत्तर- कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में पश्चिमी घाट की उच्च भूमि पर इसकी कृषि की जाती है। देश के समस्त कॉफी उत्पादन का दो-तिहाई से अधिक भाग कर्नाटक राज्य से आता है।

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

39. साझा सम्पत्ति संसाधनों पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- ग्राम पंचायत या राज्य सरकार के स्वामित्व वाली भूमि को साझा सम्पत्ति संसाधन कहा जाता है। सामुदायिक वन, चारागाह तथा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र साक्षा सम्पत्ति के उदाहरण है।

साझा सम्पत्ति संसाधन:- पशुओं के लिए चारा, घरेलू उपयोग हेतु ईंधन, लकड़ी तथा साथ ही अन्य वन उत्पाद जेसे- फल, रेशे, गिरी, औषधीय पौधे आदि उपलब्ध कराती है। महिलाओं के लिए भी इन भूमियों का विशेष महत्व है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में चारा व ईंधन लकड़ी के एकत्रीकरण की जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है।

40. ''वर्तमान भारतीय कृषि में अत्यधिक ऋणग्रस्तता किसनों की आत्महत्या का कारण बनता जा रहा है।'' स्पष्ट करो?

या

अत्यधिक ऋणग्रस्तता के क्या गंभीर परिणाम है? क्या आप मानते है कि देश के विभिन्न राज्यों में किसान द्वारा आत्महत्या ऋणग्रस्तता का परिणाम है?

उत्तर- भारतीय कृषक कृषि में पर्याप्त निवेश करने में असमर्थ होने तथा कृषि में कम होती आय व फसलों के खराब हो जाने से अत्यधिक ऋणगस्त हो जाते है। महाजनों तथा विविध वित्तीय संस्थाओं का कर्जा न चुका पाने की स्थिति में प्रति वर्ष भारत के विभिन्न राज्यों में हजारों कर्षक आत्महत्या कर लेते है। वस्तुतत: हमारा यह मानना है कि देश के विभिन्न राज्यों में किसानों द्वारा आत्महत्या ऋणग्रस्तता का परिणाम है। साथ ही किसानों की आर्थिक अत्यधिक निम्न होने से उनकी स्थिति दयनीय मिलती है।

41. भारत में भू-उपयोग परिवर्तन के कारणों की विवेचना करो?

या

भारत में भू-उपयोग परिवर्तन को अर्थव्यवस्था किस प्रकार प्रभावित कर रही है? स्पष्ट करो।

उत्तर- भारत में भू-उपयोग परिवर्तन के निम्नलिखित कारण है-

(i) अर्थव्यवस्था का आकार समय के साथ बढ़ता है, जो बढ़ती जनसंख्या, बदलते आय स्तर, उपलब्ध प्रौद्योगिकी कारकों पर निर्भर है। परिणामस्वरूप समय के साथ भूमि पर दबाव बढ़ता है तथा सीमांत भूमि को भी प्रयोग में लाया जाता है।

(ii) समय के साथ अर्थव्यवस्था की संरचना में भी बदलाव हाता है। द्वितीयक व तृतीयक सेक्टरों में, प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि होती है। इस प्रक्रिया में कृषि भूमि गैर-कृषि सम्बन्धित कार्यों में प्रयुक्त होती है।

(iii) समय के साथ, कृषि क्रियाकलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होता जाता है।

42. ''भू-संसाधनों का महत्व उन लोगों के लिए अधिक है जिनकी आजीविका कृषि पर निर्भर है।'' स्पष्ट करो?

Created by Universal Document Converter

उत्तर- निम्न कारणों से-

(i) द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं की अपेक्षा कृषि पूर्णतया भूमि पर आधारित हैं। अत: ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीनता प्रत्यक्ष रूप से वहाँ की गरीबी से संबंधित है।

(ii) भूमि की गुणवत्ता कृषि उत्पादकता को प्रभावित करती है जो अन्य कार्यों में नहीं है।

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों में भू-स्वामित्व का आर्थिक मूल्य के अतिरिक्त सामाजिक मूल्य भी है।

43. शुष्क भूमि कृषि व आर्द्र भूमि कृषि में उदाहरण सहित अन्तर स्पष्ट करो?

या

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखो? 1. शुष्क कृषि, 2. आर्द्र कृषि

उत्तर- शुष्क भूमि कृषि:- सामान्यतया: 75 सेन्टीमीटर से कम वार्षिक वर्षा वाले प्रदेशों में होने वाली कृषि, शुष्क कृषि कहलाती है। इसके अन्तर्गत शुष्कता सहन करने वाली फसलें जैसे- रागी, बाजरा, मूँग, चना, ग्वार आदि की कृषि की जाती है।

आर्द्र भूमि कृषि:- फसलों की आवश्यकता से अधिक होने वाली वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाने वाली कृषि आर्द्र भूमि कृषि कहलाती है। इसमें चावल, जूट, गन्ना आदि अधिक जल की आवश्यकता वाली फसलों की कृषि की जाती है।

44. बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- मरुस्थली, रेतीली, पथरीली भूमि, पहाड़ी भू-भाग तथा जल व वायु अपरदन से व्यर्थ/बेकार हो चुकी भूमि, जिसे वर्तमान में प्रचलित प्रौद्योगिकी की मदद से भी कृषि योग्य नहीं बनाया जा सकता है, बंजर भूमि कहलाती है, जबकि वह भूमि जो विगत पाँच वर्ष या अधिक समय तक परती या कृषि रहित है और जिसे कृषि उदार तकनीक के माध्यम से कृषियोग्य बनाया जा सकता है, कृषि योग्य व्यर्थ भूमि कहलाती है।

45. निवल बोया गया क्षेत्र तथा सकल बोया गया क्षेत्र में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- वह भूमि, जिस पर सिर्फ एक बार फसल उगाई व काटी जाती है निवल बोयी गयी भूमि या क्षेत्र कहलाता है जबकि एक कृषि वर्ष में विभिन्न फसलों के अन्तर्गत बोया गया कुल क्षेत्र सकल बोया गया क्षेत्र कहलाता है।

46. मानसून पर निर्भरता भारतीय कृषि की एक अहम् समस्या है, कैसे? बताइए।

या

अनियमित मानसून भारतीय कृषि की एक प्रमुख समस्या है। स्पष्ट करो।

या

भारतीय कृषि को मानसून का जुआ कहा जाता है। स्पष्ट करो।

उत्तर- भारत में कुल कृषिगत क्षेत्र का लगभग दो-तिहाई भाग फसलों के उत्पादन के लिए प्रत्यक्ष रूप से मानसून पर निर्भर रहता है। भारत में दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी हवाओं से होने वाली वर्षा अनियमित होने के साथ-साथ अनिश्चित होती है। जहाँ अनियमित मानसून से एक ओर राजस्थान तथा अन्य क्षेत्रों में होने वाली न्यून वर्षा अत्यधिक अविश्वसनीय है वहीं दूसरी और भारत के अधिक वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में प्राप्त होने वाली वर्षा में भी काफी उतार-चढ़ाव देखा जाता है जिसके कारण ऐसी क्षेत्र कमी बाढ़ग्रस्त तो कमी सूखाग्रस्त हो जाते हैं। सूखा और बाढ़ दोनों के प्रकोप से कृषि फसलों को गम्भीर हानि का सामना करना पड़ता है। जब वर्षा की प्राप्ति हो जाती है तो फसलों का उत्पादन हो जाता है किन्तु वर्षा अभाव के कारण फसलें उत्पादित नहीं हो पाती इसी कारण भारतीय कृषि को मानसून का जुआ कहा जाता है।

47. भूमि सुधारों की कमी भारतीय कृषि की प्रमुख समस्या रही है। स्पष्ट करो।

उत्तर- भूमि के असमान वितरण के कारण भारतीय किसान लंबे समय से शोषित हैं। अंग्रेजी शासन के दौरान, तीन भूराजस्व प्रणालियों- पहालवाड़ी, रैयावाड़ी तथा जमींदारी में से जमींदारी प्रथा किसानों के लिए सबसे अधिक शोषणकारी रही है स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात्, भूमि सुधारों को प्राथमिकता दी गई लेकिन ये सुधार कमजोर राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण पूर्णत: फलीभूत नहीं हुए। अधिकतर रज्य सरकारों ने राजनीतिक रूप से शक्तिशाली जमींदारो के खिलाफ कठोर राजनीतिक निर्णय लेने में टालमटोल किया। भूमि सुधारों के लागू न होने के परिणामस्वरूप जिससे कृषि विकास में बाधा रही है।

48. भारतीय कृषि की कोई तीन समस्या लिखिये?

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

उत्तर- प्रश्न सं. 40, प्र.सं. 46 तथा प्र.सं. 47 को देखे।

49. भारत में जैसे देश में गहन कृषि नीति अपनाने की आवश्यकता क्यों हैं?

उत्तर- चूँकि भारत जैसे देशों में भूमि की कमी तथा श्रम की अधिकता है अत: यहाँ गहन कृषि अपनाकर उत्पादन में वृद्धि करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को भी किया जा सकता है।

50. खाद्यान्न फसलों के वर्गीकरण एवं महत्त्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखो?

उत्तर- अनाज की संरचना के आधार पर खाद्यान्नों को अनाज एवं दालों में वर्गीकृत किया जाता है। भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था में खाद्यान्न फसलों का महत्व बहुत अधिक है। देश के समस्त बोये गए क्षेत्र के दो तिहाई भाग पर खाद्यान्न फसलें उगायी जाती है।

देश समस्त भागों में खाद्यान्न फसलों का महत्त्वपूर्ण स्थान है चाहे वहाँ जीविका निर्वाह अर्थव्यवस्था अथवा व्यापारिक कृषि अर्थव्यवस्था पर आधारित हो।

भारत विश्व का लगभग 11 प्रतिशत अनाज उत्पादित करता है।

51. हरित क्रांति की उपलब्धियों क्या है?

उत्तर- हरित क्रांति की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों निम्न प्रकार से है-

1. कृषि में रासायनिक उर्वरक और पीड़कनाशियों का उपयोग शुरू किया।
2. सिंचाई की सुविधाओं में सुधार और विस्तार किया गया।
3. मैक्सिको से गेहूँ और फिलीपींस से चावल के अधिक उपज देने वाले बीज भारत लाए गए।
4. कृषि आधारित उद्योग तथा छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन दिया गया।

52. परती भूमि किसे कहते हैं? भूमि को परती क्यो छोड़ा जाता हैं?

उत्तर- परती भूमि:- निरन्तर फसल उत्पादित करते रहने से भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी आती जाती है। इसलिए भूमि को कुछ समय के लिए कृषि रहित छोड़ दिया जाता है। इस भूमि को परती भूमि कहते हैं।

भूमि को परती छोड़ने का कारण-भूमि को परती इसलिए छोड़ा जाता है जिससे वह अपनी खोई हुई उर्वरता को प्राकृतिक रूप से पुन: प्राप्त कर सके।

53. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार ने खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए कौन-कौन से उपाय अपनाये थे?

उत्तर- स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार ने खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने हेतु अग्र उपाय अपनाये-

1. व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्न फसलों को उगाना।
2. कृषि गहनता को बढ़ावा।
3. कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना।

54. भारत में निवल बोए गए क्षेत्र में किस प्रकार वृद्धि की जा सकती है?

उत्तर- भारत में वृद्धि की सीमित सम्भावना वाले निवल बोए गए क्षेत्र को भूमि बचत प्रौद्योगिकी विकसित कर बढ़ाया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी को दो तरह से काम में लिया जा सकता है-

- प्रति इकाई भूमि में फसल विशेष की उत्पादकता बढ़ाने में।

- एक कृषि वर्ष में गहन भूमि उपयोग से सभी फसलों का उत्पादन बढ़ाने में। इसमें सीमित भूमि से भी कुल उत्पादन बढ़ने के साथ श्रमिकों की माँग में भी वृद्धि होती है।

अत: स्पष्ट है कि कृषि गहनता को अपनाकर ही ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को कम करने के साथ निवल बोए गए क्षेत्र में वृद्धि की जा सकती है।

55. भारतीय कृषि के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए।

या

रक्षित सिंचाई कृषि और उत्पादक सिंचाई कृषि में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- भारतीय कृषि के प्रकार

आर्द्रता के प्रमुख उपलब्ध स्रोत के आधार पर कृषि को सिंचित कृषि तथा वर्षा - निर्भर (बारानी) कृषि में वर्गीकृत किया जाता है-

Created by Universal Document Converter

1. सिंचित कृषि:- सिंचित कृषि में भी सिंचाई के उद्देश्य के आधार पर दो प्रकार पाये जाते हैं। जैसे- रक्षित सिंचाई कृषि तथा उत्पादक सिंचाई कृषि।

(i) रक्षित सिंचाई कृषि:- रक्षित सिंचाई का मुख्य उद्देश्य आर्द्रता की कमी के कारण फसलों को नष्ट होने से बचाना है, जिसका अभिप्राय यह है कि वर्षा के अतिरिक्त जल की कमी को सिंचाई द्वारा पूरा किया जाता है। इस प्रकार की सिंचाई का उद्देश्य अधिकतम क्षेत्र को पर्याप्त आर्द्रता उपलब्ध कराना है।

(ii) उत्पादक सिंचाई कृषि:- उत्पादक सिंचाई का उद्देश्य फसलों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध करवाकर अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करना है। उत्पादक सिंचाई में जल निवेश की मात्रा रक्षित सिंचाई की अपेक्षा अधिक होती है।

2. वर्षा निर्भर (बारानी) कृषि:- शेष प्र.सं. 43 को देखें।

56. भारत में भू-उपयोग के किन संवर्गों में वृद्धि हुई है? वृद्धि के कारणों की विवेचना कीजिए।

अथवा

वर्ष 1950 से 2014-15 के दौरान भारत में भू-उपयोग संवेर्गों में हुए परिवर्तन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- भारत में भू-उपयोग संवर्गों में हुए परिवर्तन:- किसी क्षेत्र में भू-उपयोग, अधिकतर वहां की आर्थिक क्रियाओं की प्रवृत्ति पर निर्भर करते है। यद्यपि समय के साथ आर्थिक क्रियाओं में बदलाव आता रहता है, लेकिन भूमि अन्य बहुत से संसाधनों की भाँति क्षेत्रफल की दृष्टि से स्थायी है।

पिछले चार या पांच दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख बदलाव आए हैं, जिसने देश के भू-उपयोग परिवर्तन को भी प्रभावित किया है। 1950-51 से 2014-15 के दौरान भारत में भू-उपयोग के तीन संवर्गों में वृद्धि तथा चार संवर्गों के अनुपात में गिरावट दर्ज की गई है।

वृद्धि दर्ज करने वाले संवर्ग - भारत में भू-उपयोग के प्रमुख संवर्गों में वृद्धि हुई है-

(i) वन क्षेत्र:- वन क्षेत्र 1950-51 में कुल रिपोर्टिंग क्षेत्र का 17 प्रतिशत था जो 2014-15 में बढ़कर 23.3 प्रतिशत हो गया है।

(ii) गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि- वर्ष 1950-51 में गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि कुल रिपोर्टिंग क्षेत्र की 3.2 प्रतिशत थी जो 2014-15 में बढ़कर 8.7 प्रतिशत हो गई।

(iii) वर्तमान परती भूमि- यह भी 1950-51 के 3.7 प्रतिशत से बढ़कर 2014-15 में 4.9 प्रतिशत हो गई।

(iv) निवल बोया क्षेत्र- यह क्षेत्र 1950-51 में 41.7 प्रतिशत या जो बढ़कर 2014-15 में 45.5 प्रतिशत हो गया।

वृद्धि के कारण:- भू- उपयोग के ऊपर दिये संवर्गों में वृद्धि के प्रमुख कारण निम्न हैं-

(i) गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त क्षेत्र में वृद्धि दर अधिकतम है। भारतीय अर्थव्यवस्था की निर्भरता औद्योगिक व सेवा सेक्टरों तथा अवसंरचना संबंधी विस्तार पर उत्तरोत्तर बढ़ रही है। इसके साथ ही ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों के अंतर्गत क्षेत्रफल भी बढ़ा है, जिस कारण गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि का प्रसार कृषि योग्य परंतु व्यर्थ भूमि तथा कृषि भूमि की हानि पर हुआ है।

(ii) वन क्षेत्र में वृद्धि उनके सीमांकन के कारण हुई है न कि वास्तविक वन आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि के कारण।

(iii) वर्तमान परती भूमि में वृद्धि वर्षा की अनियमितता तथा फसल चक्र में होने वाले परिवर्तन के कारण हुई है।

(iv) कृषि हेतु कृषि योग्य व्यर्थ भूमि के उपयोग के कारण निवल बोए गए क्षेत्र में वृद्धि हुई है। गिरावट दर्ज करने वाले संवर्ग-बंजर व व्यर्थ भूमि, कृषि योग्य व्यर्थ भूमि, चारागाहों फसल वृक्षों के अन्तर्गत क्षेत्र तथा वर्तमान परती के अतिरिक्त परती भूमि के अनुपात में कमी हुई है।

<u>कमी के कारण</u>:- इसके निम्न कारण हो सकते हैं-

(i) समय के साथ जैसे-जैसे कृषि तथा गैर कृषि कार्यों हेतु भूमि पर दबाव बढ़ा, वैसे-वैसे व्यर्थ एवं कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में समयानुसार कमी आई।

(ii) निवल बोए गए क्षेत्र में कमी का कारण गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि के अनुपात में वृद्धि का होना हैं।

(iii) चारागाह भूमि के अनुपात में कमी का कारण कृषि भूमि पर जनसंख्या का बढ़ता दबाव हैं।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

अध्याय - 5
जल-संसाधन

1. धरातलीय और भोमजल का सबसे अधिक उपयोग किस सेक्टर में होता है?
(अ) कृषि (ब) उद्योग (स) घरेलू कार्यों (द) पेयजल (अ)

2. पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम कब पारित हुआ था?
(अ) 1976 (ब) 1986 (स) 1996 (द) 2006 (ब)

3. प्रदूषण का निवारण और नियन्त्रण सम्बन्धी जल अधिनियम कब बनाया गया था?
(अ) 1974 (ब) 1964 (स) 1984 (द) 1994 (अ)

4. हरियाली कार्यक्रम का सम्बन्ध है?
(अ) पर्यावरण (ब) वन संसाधन (स) जल संसाधन (द) भूमि संसाधन (स)

5. नीरू-मीरू कार्यक्रम कौनसे राज्य से सम्बन्धित है?
(अ) आन्ध्रप्रदेश (ब) तमिलनाडू (स) राजस्थान (द) गुजरात (अ)

6. 'अरवारी पानी संसद' कार्यक्रम राजस्थान के किस क्षेत्र में चलाया गया है?
(अ) जयपुर (ब) अलवर (स)सीकर (द) कोटा (ब)

7. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति कब घोषित की गयी?
(अ) 2001 (ब) 2002 (स) 2003 (द) 2004 (ब)

8. जल क्रांति अभियान कब प्रारम्भ किया गया?
(अ) 2015-16 (ब) 2016-17 (स) 2017-18 (द) 2018-19 (अ)

9. भौमजल के अत्यधिक उपयोग के कारण राजस्थान व महाराष्ट्र में भूमिगत जल में किस तत्व का संकेन्द्रण बढ़ गया है?
(अ) मैंगनीज (ब) जिप्सम (स) सोडियम (द) फ्लुओराइड (द)

10. निम्नलिखित में से जल किस प्रकार का संसाधन है?
(अ) अजैव संसाधन (ब) अनवीकरणीय संसाधन (स) जैव संसाधन (द) चक्रीय संसाधन (द)

11. निम्नलिखित दक्षिण भारतीय राज्यों में से किस राज्य में भौमजल उपयोग (% में) इसके कुल भोमजल सम्भाव्य से ज्यादा है?
(अ) तमिलनाडू (ब) कर्नाटक (स) आन्ध्र प्रदेश (द) केरल (क)

12. महाराष्ट्र का.....गाँव पूरे देश में जल-संभर विकास का एक उदाहरण है।

उत्तर- रालेगँन सिद्धि (जिला-अहमदनगर)

13. कृषि में जल का उपयोग मुख्य रूप से.....होता है।

उत्तर- सिंचाई

14. अरवारी पानी संसद व नीरू-मीरू कार्यक्रम का सम्बन्ध.....के संरक्षण से है।

उत्तर- जल संसाधन

15. हरियाली केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित.....परियोजना है।

उत्तर- जल-संभर विकास

16. कुंड अथवा टाँका क्या है?

उत्तर- राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण ढाँचे जिन्हें कुंड या टाँका कहा जाता है।

17. जल क्रांति अभियान (2015-16) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर- जल क्रांति अभियान (2015-16) भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना।

18. भारत में सिंचाई के प्रमुख साधनों के नाम लिखो।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

उत्तर- नलकूप, कुएं, तालाब और नहरें।

19. धरातलीय जल के मुख्य स्रोत कौनसे है?

उत्तर- नदियां, झीलें, तालाब और तलैया।

20. भौमजल संसाधन का अत्यधिक उपयोग करने वाले चार राज्यों के नाम बताइये।

उत्तर- पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडू।

21. भारत की दो बहुउद्देश्य परियोजनाओं के नाम लिखो।

उत्तर- (i) भाखड़ा नागल परियोजना (ii) हीराकुण्ड परियोजना

22. भारत की दो सबसे अधिक प्रदूषित नदियों के नाम लिखो।

उत्तर- (i) यमूना (दिल्ली और इटावा के बीच) (ii) गंगा (कानपुर व वाराणासी के मध्य)

23. सी.पी.सी.बी. का पुरा नाम क्या है?

उत्तर- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड।

24. प्रायद्वीपीय पठारी भाग में सबसे महत्त्वपूर्ण सिंचाई का स्रोत कौनसा है?

उत्तर- तालाब

25. पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडू राज्यों में सबसे अधिक भौम-जल निकास के लिए कौनसे कारक उत्तरदायी है?

या

पंजाब, हरियाण और तमिलनाडू में सबसे अधिक भौम जल विकास के लिए कौन-से कारक उत्तरदायी है?

उत्तर- पंजाब तथा हरियाणा राज्यों के कुल बोये गये क्षेत्रफल का अधिकांश भाग सिंचित है, जबकि तमिलनाडू राज्य में भी यही स्थिति है। उक्त राज्यों में गेहूँ और चावल की भी स्थिति है। उक्त राज्यों में गेहूँ और चावल की कृषि के लिए पर्याप्त सिंचाई उपलब्ध करायी जाती है। इन राज्यों में हरित क्रान्ति के प्रभाव के कारण भी भौमजल का अधिक उपयोग किया जा रहा है। अत: सिंचाई उक्त राज्यों में भौमजल के सर्वाधिक विकास के लिए उत्तरदायी कारक है।

26. यह कहा जात है कि भारत में जल संसाधनों में तेजी से कमी आ रही है। जल संसाधनों की कमी के लिए उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर- निम्नलिखित कारक है-

(i) जनसंख्या में तीव्र वृद्धि (ii) बढ़ता घरेलू उपयोग (iii) औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का अत्यधिक उपयोग
(iv) सिंचाई की आवश्यकता (v) जल प्रदूषण

27. प्रदूषित जल/गंदे पानी के उपयोग के क्या प्रभाव हो सकते है-

उत्तर- ऐसे जल प्रयोग से कई प्रकार की महामारी रोग जैसे- अन्त्रशोथ, पीलिया, हैजा, टाइफाइड आदि उत्पन्न हो सकते है।

28. देश में कुल उपयोग किये गये जल में कृषि क्षेत्र का हिस्सा कम होने की सम्भावना क्या है?

उत्तर- वर्तमान में देश में कुल जल उपयोग में कृषि सेक्टर का देश में हो रहे विकास के कारण उद्योगों में एवं, बढ़ती जनसंख्या के कारण घरेलू सेक्टरों में जल उपयोग बढ़ने की सम्भावना है, जिस कारण कुल जल उपयोग में कृषि क्षेत्र का हिस्सा कम होने की सम्भावना है।

29. भारत में लैगून और पश्यजल कहा पाये जाते है? इनके कोई दो उपयोग लिखिए।

या

भारत में मिलने वाले लैगूनों तथा पश्य झील के महत्व पर टिप्पणी लिखो।

उत्तर- पश्चिम में कच्छ के रण से लेकर (पूर्ण में स्थित) गंगा-बह्मपुत्र डेल्टा तक भारत की तटरेखा लगभग 7 हजार किमी. लम्बाई रखती है। केरल, उड़िसा तथा पश्चिमी बंगाल के सागरीय तट बहुत ही दंतुरित (कटी-फटी) है। इसी कारण वहाँ बहुत-सी लैगून और पश्य झीले मिलती है। यद्यपि इन झीलों में खारा जल होता है। लेकिन इसका उपयोग मछली पालन के अलावा चावल की कुछ निश्चित किस्मों तथा नारियल आदि की सिंचाई के लिए किया जा रहा है।

30. कुछ राज्यों में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग के क्या दुष्परिणाम उभर कर हमारे समक्ष आये है? बताइये?

Created by Universal Document Converter

उत्तर- कुछ राज्यों में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग से इसका स्तर नीचा हो गया है। राजस्थान एवं महाराष्ट्र राज्यों में भूमिगत जल के अधिक उपयोग से भूमिगत जल में फ्लुराइड का सकेन्द्रण बढ़ गया है तथा पश्चिमी बंगाल एवं बिहार के कुछ भागों में संखिया के संकेन्द्रण में वृद्धि हो गयी है।

31. जल के पुनः चक्र और पुनः उपयोग को समझाइये।

उत्तर- जल के पुनः चक्र और पुनः उपयोग के द्वारा भी अलवणीय जल की उपलब्धता को सुधारा जा सकता ह। सामान्यतः कम गुणवता के जल का उपयोग, जैसे शोधित अपशिष्ट जल, नगरीय क्षेत्रों में स्नान और बर्तन धोने में प्रयुक्त जल तथा वहनों को धोने के लिए प्रयुक्त जल आदि का उपयोग उद्योगों में शीतलन एवं अग्निशमन के लिए एवं बागवानी आदि कार्यों के लिए किया जा सकता है। इससे अच्छी गुणवत्ता वाले जल का पीने के उद्देश्य के लिए संरक्षण होगा।

32. भारत के कृषि क्षेत्र में सिंचाई हेतु जल की आवश्यकता का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- सिंचाई की आवश्यकता के निम्न कारण है-

(i) भारत में वर्षा के वितरण में असमानता।

(ii) देश के अधिकांश भागों में शीत एवं ग्रीष्म ऋतुओं में अत्यधिक शुष्कता पायी जाती हैं।

(iii) अनियमित मानसूनकालीन वर्षा

(iv) कुछ फसलों जैसे कपास, गन्ना, जुट आदि को जल की अधिक आवश्यकता।

33. कृषि में सिंचाई की व्यवस्था के क्या-क्या लाभ है?

उत्तर- निम्नलिखित लाभ है-

(i) सिंचाई की व्यवस्था बहुफसलीकरण को सम्भव बनाती है।

(ii) फसलों को अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए आर्द्रता नियमित रूप से आवश्यक है जो केवल सिंचाई तंत्र से ही सम्भव है।

(iii) सिंचित कृषि भूमि की उत्पादकता असिंचित भूमि की अपेक्षा अधिक होती है।

34. ''हरियाली'' क्या है?

उत्तर- प्र.सं. 35 में देखे।

35. जल-संभर प्रबन्धन क्या है? क्या आप सोचते है कि यह सतत् पोषणीय विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है?

या

जल-संभर प्रबन्धन से क्या तात्पर्य है? जलसंभर प्रबन्धन में केन्द्र तथा सरकारों के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

या

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखो?

(i) हरियाली कार्यक्रम (ii) नीरु-मीरु कार्यक्रम (iii) अरवारी पानी संसद

उत्तर- जल संभर प्रबन्धन से तात्पर्य धरातलीय और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन से है। इसके अन्तर्गत बहते जल को रोकना-जैसे- अन्तःस्रवण तालाब, पुनर्भरण, कुओं आदि द्वारा भौम जल का संचयन और पुनर्भरण शामिल है।

<u>उद्देश्य</u>- जल संसाधनों का संरक्षण करके प्राकृतिक संसाधनों और समाज के बीच सन्तुलन लाना है।

<u>सतत् पोषणीय विकास में जल-संभर प्रबंधन की भूमिका</u>:-

पोषणीय विकास से तात्पर्य ''एक ऐसे विकास से है, जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित करे बिना अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।'' चूँकि जल संभर प्रबन्धन जल का उचित प्रबन्धन है, जिसमें अनावश्यक रूप से बहते जल को विभिन्न विधियों द्वारा संचयित किया जाता है। अतः सतत् पोषणीय विकास के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग की दर, इनके नवीनीकरण की दर से अधिक होनी चाहिए। अतः जल-संभर प्रबन्धन सतत् पोषणीय विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। इस हेतु केन्द्र व राज्य सरकारों ने देश में बहुत से जल-संभर प्रबन्धन के विकास कार्यक्रम चलाए है, जैसे-

(i) <u>हरियाली परियोजना</u>:- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित।

<u>उद्देश्य</u>- ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई मत्स्य पालन और वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है। परियोजना

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

लोगों के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निष्पादित की जा रही है।

(ii) नीरू-मीरू कार्यक्रम आन्ध्र प्रदेश में।

(iii) अरवारी पानी संसद कार्यक्रम अलवर (राजस्थान) में।

36. वर्षा जल संग्रहण क्या है? वर्षा जल संग्रहण के विभिन्न लाभों का उल्लेख करते हुए संग्रहण की विभिन्न विधियों का उल्लेख कीजिए।

या

वर्षा जलसंग्रहण की कोई तीन विधियों का संक्षेप में वर्णन करो।

उत्तर- वर्षा जल संग्रहण विभिन्न उपयोगों के लिए वर्षा के जल को रोकने और एकत्र करने की विधि है। यह एक कम मुल्य और पारिस्थितिकी अनुकूल विधि है जिसके द्वारा पानी की प्रत्येक बूँद संरक्षित करने के लिए वर्षा जल को नलकूपों, गड्ढो और कुओं में एकत्र किया जाता हैं।

लाभ (i) वर्षा जल संग्रहण पानी की उपलब्धता को बढ़ाता है।

(ii) भूमिगत जल स्तर को नीचा होने से रोकता है।

(iii) इससे फ्लुओराइड और नाइट्रेट्स जैसे संदूषकों को कम करके अवमिश्रण भूमिगत जल की गुणवत्ता को बढ़ा देता है।

(iv) मृदा अपरदन और बाढ़ को रोका जा सकता है।

<u>वर्षा जलसंग्रहण की विधिया</u>:-

(i) टाँका:- राजस्थान के अर्द्धशुष्क तथा शुष्क क्षेत्रों में स्थित बस्तियों में परम्परागत रूप से एक वर्षा जल संग्रहण ढाँचे का उपयोग किया जाता है। जिसे ढाँका या कुण्ड कहाँ जाता है।

(ii) <u>तालाब एवं झिल</u>:-ग्रामीण क्षेत्रों में परम्परागत रूप से वर्षा जल संग्रहण के लिए धरातलीय संरचनाएँ जैसे- तालाब व झीलों का उपयोग किया जाता है।

(iii) सर्विस कूपों द्वारा धरों की छतों से वर्षा जल का संग्रहण।

(iv) प्रस्तर कूप व चैक डैम निर्मित कर जल संग्रहण।

(v) पुनर्भरण कूपों द्वारा वर्षा जल का संग्रहण।

37. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति- 2002 की मुख्य विशेषतायें लिखिए।

उत्तर- भारतीय राष्ट्रीय जल नीति- 2002 की विशेषतायें निम्न है-

(i) सिंचाई और बहुउद्देश्य परियोजनाओं में पीने का जल घटक में सम्मिलित करना चाहिये।

(ii) पेय जल सभी मानवजाति और प्राणियों को उपलब्ध करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिये।

(iii) सतह और भौम जल दोनों की गुणवत्ता के लिए नियमित जाँच होनी चाहिये। जल की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक चरणबद्ध कार्यक्रम शुरू किया जाना चाहिये।

(iv) शिक्षा विनिमय, उपक्रमणों, प्ररेकों और अनुक्रमणों द्वारा संरक्षण चेतना बढ़ानी चाहिये।

(v) दुर्लभ संसाधन के रूप में, जल के लिए जागरूकता विकसित करनी चाहिए।

38. जल क्रान्ति अभियान पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- जल क्रांति अभियान भारत सरकार द्वारा 2015-16 में आरम्भ किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है।

जल क्रांति अभियान का लक्ष्य स्थानीय निकायों और सरकारी संगठन एवं नागरिकों को सम्मिलित करके इस अभियान के उद्देश्य के बारे में जागरूकता फैलाना हैं। जल क्रांन्ति अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ प्रस्तावित है-

(i) ''जल ग्राम'' बनाने के लिए देश के 672 जिलों में से प्रत्येक जिले में एक ग्राम जिसमें जल की कमी है, उसे चुना गया है।

(ii) भारत के विभिन्न भागों में 1000 हेक्टेयर मॉडल कमांड क्षेत्र की पहचान की गयी है।

(iii) प्रदूषण को कम करने के लिए-

- जल संरक्षण और कृत्रिम पुनर्भरण
- भूमिगत जल प्रदूषण को कम करना।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

- देश के चयनित क्षेत्रों में आर्सेनिक मुक्त कुओं का निर्माण।

(iv) लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए जनसंचार माध्यम जेसे रेडियो, टी.वी., प्रिंट मीडिया, पोस्टर प्रतियोगिता माध्यम हैं। जल क्रांति अभियान द्वारा खाद्य सुरक्षा और आजीविका प्रदान की जाए।

39. जल संसाधनों का ह्रास सामाजिक द्वंद्वों और विवादों को जन्म देते है। इसे उपयुक्त उदाहरणों सहित समझाइये।

उत्तर- जल एक प्राकृतिक और नवीकरण संसाधन होने के साथ-साथ किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। जल संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण दिन-प्रतिदिन इनमें कमी आती जा रही है। वहीं दूसरी ओर उपलब्ध जल-संसाधन औद्योगिक, कृषि तथा घरेलू निस्सरणों के मिलने से प्रदूषित होते जा रहे है। वे सभी राज्य या देश, जिनसे होकर नदी बहती है, नदी जल के भागीदार होते है। परिणामत: इनके आवण्टन व नियन्त्रण को लेकर कई प्रकार के विवाद उत्पन्न हो गये है, जिस कारण वृहत् स्तर पर जल के उपयोग में समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं। वर्तमान में अन्तर्राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जल-संसाधनों को लेकर तनाव व विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। जैसे-

(i) भारत और बांग्लादेश के मध्य गंगा जल विवाद।

(ii) कर्नाटक और तमिलनाडू के मध्य कावेरी नदी जल-विवाद।

(iii) महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और गुजरात के मध्य नर्मदा जल-विवाद।

(iv) पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश के मध्य सतलज-यमुना लिंक नहर विवाद।

(v) भारत और पाकिस्तान के मध्य सिन्धु नदी जल विवा।

40. जल प्रदूषण से क्या तात्पर्य है? भारत में जल प्रदूषण की समस्या के निवारण के लिए सरकारी प्रयासों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- प्राकृतिक जल में बाह्य पदार्थों, जैसे- सूक्ष्म जीव, रासायनिक पदार्थ, औद्योगिक, घरेलू और अन्य अपशिष्टयों के मिलने से, जल के गुनों में हुई कमी, जल प्रदूषण कहलाता है।

देश में उपलब्ध जल संसाधनों का तेजी से निम्नीकरण हो रहा है। देश की मुख्य नदियों के प्राय: पहाड़ी क्षेत्रों पायी जाती है। मैदानी भागों में नदियों के जल में कृषिगत (उर्वरक और कीटनाशक), घरेलू (ठोस व अपशिष्ट पदार्थ) तथा औद्योगिक बहि:स्रावों के सम्मिश्रण के कारण नदी जल प्रदूषित हो जाता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) और राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड (एस.पी.सी.) के अनुसार जैव व जीवाण्विक संदूषण नदियों में प्रदूषण का मुख्य कारक है।

भारत में जल प्रदूषण की समस्या के निवारण सम्बन्धी उपाय:-

(i) जल अधिनियम, 1974 (प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण)

(ii) पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम, 1986

(iii) जल उपकर अधिनियम, 1977 आदि।

यद्यपि इनका निर्माण जल प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से किया गया था, परन्तु इनको देश में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्यान्वत नहीं किये जाने के कारण इनके देश में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्यान्वत नहीं किये जाने के कारण इनके परिणाम सीमित ही प्राप्त हुये है। अत: वर्तमान में जल के महत्व और जल प्रदूषण के प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने की सर्वप्रमुख आवश्यकता है। जन जागरूकता और इसकी भागीदारी से ही कृषिगत कार्यों तथा घरेलू और औद्योगिक विसर्जन से प्राप्त प्रदूषकों में बहुत प्रभावशाली ढंग से कमी लाकर प्रदूषण के प्रसार को रोका जा सकता है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

अध्याय - 6
खनिज व ऊर्जा संसाधन

1. निम्न में से कौन-सा धात्विक खनिज नहीं है-
(अ) लौहा (ब) ताँबा (स) बॉक्साइट (द) माइका (द)

2. निम्नलिखित में से कौनसा खनिज 'भूरा कोयला' के नाम से जाना जाता हे?
(अ) लिग्नाईट (ब) माइका (स) ताँबा (द) प्राकृतिक गैस (अ)

3. निम्न में से कौनसा अधात्विक खनिज नहीं है?
(अ) माइका (ब) ग्रेफाइड (स) कोयला (द) मैंगनीज (द)

नोट:- 1. धात्विक खनिज : लौहा धात्विक खनिज- लोहा, मैंगनीज, अलौह धात्विक खनिज - ताँबा, बॉक्साइट
2. अधात्विक खनिज- ईंधन खनिज- कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस माइका (अभ्रक, चुनाप्रस्तर, डोलोमाइट, ग्रेफाइट)

4. भारत में किस किस्म का कोयला सर्वाधिक है?
(अ) एन्थ्रोसाइट (ब) बिटुमिन्स (स) लिग्नाइट (द) पीट (ब)

5. निम्न में से किस खनिज को 'तरल सोना' कहा जाता है?
(अ) प्राकृतिक गैस (ब) कोयला (स)यूरेनियम (द) पेट्रोलियम (द)

6. गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (GAIL) की स्थापना कब हुई?
(अ) 1984 (ब) 1974 (स) 1994 (द) 1964 (अ)

7. बाबा बूदन पहाड़ियाँ कौनसे अयस्क के लिए विख्यात है?
(अ) ताँबा (ब) लौहा (स) चाँदी (द) सोना (ब)

8. निम्न में से कौनसा राज्य मैंगनीज/बॉक्साइड उत्पादन में अग्रणी है?
(अ) महाराष्ट्र (ब) ओडिशा (स) झारखण्ड (द) छत्तीसगढ़ (ब)

9. एल्युमिनियम धातु कौनसे अयस्क से प्राप्त होती है?
(अ) मैग्नेटाइट (ब) स्थ्रोसाइट (स) बॉक्साइट (द) लिगनाइट (स)

10. निम्न में से कौनसे खनिज का उपयोग विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स उद्योगों में किया जाता है?
(अ) बॉक्साइट (ब) अभ्रक (स) डेलोमाइट (द) सोना (ब)

11. भारत का प्रथम तेल उत्पादक क्षेत्र था?
(अ) अंकलेश्वर (गुजरात) (ब) डिगबोई (असम) (स) मुंबई हाई (महाराष्ट्र) (द) बाड़मेर (राजस्थान) (ब)

12. परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना कब हुयी?
(अ) 1948 (ब) 1907 (स) 1954 (द) 1964 (अ)

13. निम्नलिखित में से किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थापित किया गया था?
(अ) नरोरा (ब) रावतभाटा (स) तारापुर (द) राणाप्रताप सागर (स)

14. निम्न में से कौन-सा ऊर्जा का अनवीकरणीय स्रोत है?
(अ) जल (ब) सौर (स) पवन (द) ताप (द)

15. राजस्थान में किस स्थान पर सौर ऊर्जा शक्तिग्रह स्थापित किया गया है?
(अ) जोधपुर (मथानिया) (ब) बीकानेर (स) सीकर (द) बाड़मेर (अ)

16. भारत में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना कब हुई थी?
(अ) 1946 (ब) 1956 (स) 1966 (द) 1976 (ब)

17. निम्न में से कौनसा ऊर्जा का नवीकरणीय स्रोत है?
(अ) कोयला (ब) पेट्रोलियम (स) नाभिकीय ऊर्जा (द) जैवभार (बायोमास) (द)

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

18. हाल ही में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने प्राकृतिक गैस के संभावित भण्डार का पता लगाया है?
(अ) मंथानिया (राजस्थान) (ब) रामानाथपुरम (तमिलनाडू)
(स) नवेली (तमिलनाडू) (द) तारापुर (महाराष्ट्र) (ब)

19. भारत का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र कौनसा है?
(अ) रानीगंज (ब) बोकारो (स) झरिया (द) गिरीडीह (स)

20. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

(अ) गुरूमहिसानी, बादाम पहाड़	(i) ताँबा
(ब) कालाहांडी	(ii) अभ्रक
(स) नेल्लोर	(iii) बॉक्साइड
(द) बालाघाट	(iv) लौहा

(अ) A-iv, B-iii, C-ii, D-i (ब) A-i, B-ii, C-iii, D-iv
(स) A-ii, B-iv, C-i, D-iii (द) A-iii, B-iv, C-i, D-ii (अ)

21. निम्न को सुमेलित कीजिए-

(अ) मुम्बई-हाई	(i) पेट्रोलियम
(ब) रानीगंज	(ii) कोयला
(स) मनीकरण (हिमालचल प्रदेश)	(iii) भूतापीय ऊर्जा
(द) रावतभाटा	(iv) परमाणु ऊर्जा

(अ) A-iv, B-iii, C-ii, D-i (ब) A-ii, B-i, C-iii, D-iv
(स) A-i, B-ii, C-iii, D-iv (द) A-ii, B-i, C-iv, D-iii (स)

22. खनिज से क्या तात्पर्य है? खनिजों का वर्गीकरण चित्र द्वारा प्रदर्शित कीजिए।

उत्तर- एक निश्चित रासायनिक एवं भौतिक गुणधर्मों के साथ कार्बनिक या अकार्बनिक उत्पत्ति के प्राकृतिक पदार्थ खनिज कहलाते है।

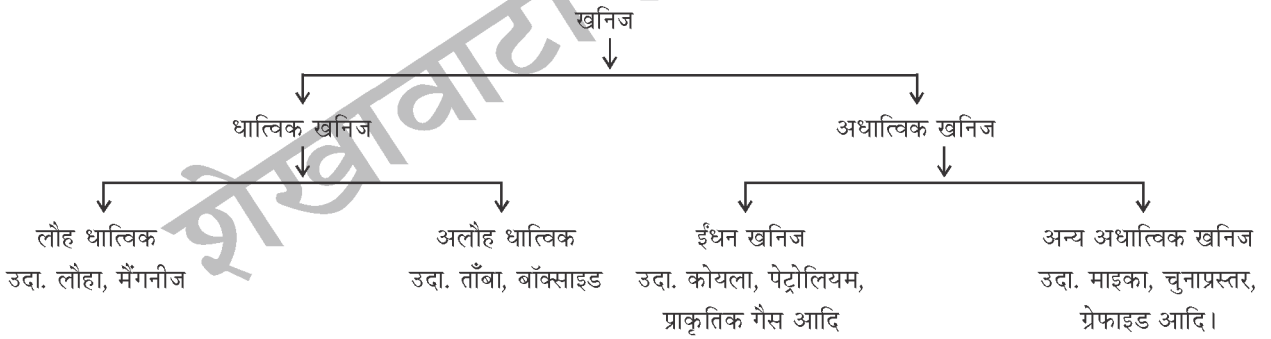

23. जैव ऊर्जा से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- वह ऊर्जा जो जैविक उत्पादों जैसे कृषि अवशेष, नगरपालिका व औद्योगिक अपशिष्ट आदि से प्राप्त होती है, जैव ऊर्जा कहलाती है।

24. परम्परागत व अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों में उदाहरण सहित अन्तर स्पष्ट करो?

उत्तर-

परम्परागत	**अपरम्परागत**
(i) वे ऊर्जा संसाधन, जो प्राचीन काल से काम में लिये जा रहे है, परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत कहलाते है।	ऐसे ऊर्जा स्त्रोत जिन्हें मानव ने आधुनिक युग में ही काम में लेना शुरू किया है, अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोत कहलाते हैं।
(ii) प्राय: परम्परागत स्त्रोत सीमित एवं समाप्य है।	प्राय: अपरम्परागत स्त्रोत असीमित व नव्य-करणीय होते है।
उदा. कोयला, खनिज, तेल, प्राकृतिक गैस आदि।	उदा:- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, जैवभार आदि।

25. भारत में कोयला संसाधनों पर विस्तृत टिप्पणी लिखो।

उत्तर- कोयला महत्वपूर्ण खनिज है जिसका मुख्य प्रयोग ताप विद्युत उत्पादन तथा लोह अयस्क के प्रगलन के लिए किया जाता है-
(i) गोंडवाना और (ii) टर्शियरी निक्षेप

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

गोंडवाना कोयला निक्षेप:- भारत में 80 प्रतिशत भाग बिटुमिनियस प्रकार का संसाधन पश्चिमी बंगाल, झारखण्ड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश में है।

भारत में सर्वाधिक महत्वपूर्ण गोंडवाना कोयला क्षेत्र दामोदर घाटी में स्थित है। इस प्रदेश में महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र रानीगंज, झरिया, बोकारो, गिरडीह तथा करनपुरा (झारखण्ड) है। इसके अलावा गोदावरी, महानदी तथा सोना घाटी क्षेत्र है। अन्य क्षेत्रों में मध्यप्रदेश में सिंगरौली, छत्तीसगढ़ में कोरबा, ओडिशा मं तलचर तथा रामपुर, महाराष्ट्र में चांदा-वर्धा, काम्पटी तथा तेलगाना में सिंगरेनी व आन्ध्रपद्रेश में पांडुर है।

टर्शियरी कोयला निक्षेप:-

(i) मेघालय- दरानगिरी, चेरापूँजी, मवलांग

(ii) अरूणाचल प्रदेश- नामचिक-नाम्फुक

(iii) माकुम, जयपुर, उत्तरी असम नजीरा तथा जम्मू-कश्मीर में कालकोट में।

इसके अलावा भूरा कोयला या लिग्नाइट तमिलनाडू के तटीय भागों पांडिचेरी गुजरात और जम्मू-कश्मीर में भी पाया जाता है।

26. भारत के पेट्रोलियम संसाधनों पर विस्तृत टिप्पणी लिखें।

उत्तर- अपनी दुर्लभता और विविध उपयोगों के लिए पेट्रोलियम को 'तरल सोना' कहा जाता है। कच्चा पेट्रोलियम द्रव और गैसीय अवस्था के हाइड्रोकार्बन से युक्त होता है तथा इसकी रासायनिक संरचना रंगों और विशिष्ट घनत्व में भिन्नता पायी जाती है।

उपयोग:- मोटर वाहनों, रेलवे तथा वायुयानों के अंतर-दहन ईंधन के लिए ऊर्जा का एक अनिवार्य स्रोत है। यह उत्पाद पेट्रो-रसायन उद्योगों जैसे- उर्वरक, कृत्रिम रबर, कृत्रिम रेशे, दवाइयाँ, वैसलीन, स्नेहकों, मोम, साबुन तथा अन्य सौंदर्य सामग्री में प्रक्रमित किये जाते है।

उत्पादक क्षेत्र:-

(i) असम:- डिगबोई, नहारकटिया तथा मोरन

(ii) गुजरात:- अंकलेश्वर, कलोल, मेहसाणा, नवागाव, कोसांबा तथा लुनेज।

(iii) महाराष्ट्र:- मुम्बई-हाई

(iv) अन्य क्षेत्र:- कृष्णा, गोदावरी तथा कावेरी बेसिनों में।

नोट:- भारत में दो प्रकार के तेल शोधन कारखाने है-

(क) क्षेत्र आधारित - डिगबोई तेल शोधन कारखाना।

(ख) बाजार आधारित - बरौनी तेल शोधन कारखाना।

27. लौहा अयस्क पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे?

उत्तर- भारत में लौह अयस्क के प्रचुर संसाधन है। हमारे देश में लौह अयस्क के दो प्रमुख प्रकारों- हेमेटाइट तथा मैग्नेटाइट का प्रमुख रूप में खनन किया जाता है।

भारत में संचित भण्डार:- भारत में एशिया के विशालतम लौह अयस्क भण्डार पाये जाते है। लौह अयस्क के कुल आरक्षित भण्डारों का लगभग 95 प्रतिशत भाग उड़िसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोआ, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडू राज्य में स्थित है।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र-

1. ओडिशा- यह भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक राज्य है। यहाँ गुरूमहिसानी, सुलाएपत, बादामपहाड़, किरूबुरू एवं बोनाई प्रमुख खाने है।
2. झारखण्ड- नोआमंडी और गुआ।
3. छत्तीसगढ़- बेलाडीला-रावघाट श्रेनी तथा डल्ली व दुर्ग जिले में राजहरा श्रेणी।
4. कर्नाटक- होस्पेट क्षेत्र, बाबा बुदन पहाड़ी, कुद्रेमुख आदि।
5. महाराष्ट्र- चन्द्रपुर, भंडारा तथा रत्नागिरी।

28. निम्नलिखित नवीकरण योग्य स्रोतों को विस्तार से समझाइये।

(i) सौर ऊर्जा (ii) पवन ऊर्जा (iii) भूतापीय ऊर्जा (iv) जैव ऊर्जा

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

उत्तर- (i) सौर ऊर्जा- सूर्य से ऊष्मा व प्रकाश के रूप में प्राप्त ऊर्जा, सौर ऊर्जा कहलाती है। सौर ऊर्जा का उपयोग दो विधियों से अन्य सभी अनवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की अपेक्षा सौर-तापीय प्रौद्योगिकी अधिक लाभप्रद है। यह लागत प्रतिस्पर्धी, पर्यावरण अनुकूल तथा निर्माण में आसान है। सौर ऊर्जा कोयला अथवा तेल आधारित संयंत्रों की अपेक्षा 7प्रतिशत अधिक और नाभिकीय ऊर्जा से 10 प्रतिशत अधिक प्रभावी है। यह सामान्यत: हीटरों, फसल शुष्ककों, कुकर्स आदि जैसे गुजरात व राजस्थान में सौर ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएँ है।

(ii) पवन ऊर्जा- यह पूर्ण रूप से प्रदूषण मुक्त और ऊर्जा का असमाप्य स्त्रोत है। पवन की गतिज ऊर्जा को हरबाइन के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में बदला जाता है। भारत में पवन ऊर्जा के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा कर्नाटक में अनुकूल परिस्थितियाँ विद्यमान है।

(iii) भूतापीय ऊर्जा- जब पृथ्वी के गर्म से मैग्मा निकलता है तो अत्यधिक ऊष्मा निमुक्त होती है। इस ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अलावा, गीज कूपों से निकलते गर्म पानी से ताप ऊर्जा पैदा की जा सकती है। भारत में भूतापीय ऊर्जा संयंत्र हिमाचल प्रदेश के मनीकरण में अधिकृत किया जा चुका है।

(iv) जैव ऊर्जा (बायोगैस)- जैव ऊर्जा उस ऊर्जा को कहा जाता है जिसे जैविक उत्पादों से प्राप्त किया जाता है जिसमें कृषि अवशेष, नगरपालिका, औद्योगिक तथा अन्य अपशिष्ट शामिल होते है। जैव ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। नगरपालिका कचरे में ऊर्जा में बदलने वाली ऐसी ही एक परियोजना नई दिल्ली के ओखला में स्थित है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

अध्याय - 7
निर्माण उद्योग

1. हुगली औद्योगिक प्रदेश का केन्द्र है-
(अ) कोलकात्ता-हावड़ा (ब) कोलकात्ता-दिशरा (स) कोलकात्ता-मेदनीपुर (द) कोलकात्ता-कोननगर (अ)

2. कौनसा औद्योगिक अवस्थापना का एक कारण नहीं है?
(अ) बाजार (ब) पूँजी (स) जनसंख्या घनत्व (द) ऊर्जा (स)

3. 'स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया' (SAIL) की स्थापना कब हुई थी?
(अ) 1956 (ब) 1964 (स) 1973 (द) 1982 (स)

4. जूट उद्योग का मुख्य केन्द्रीकरण निम्न में से कहाँ है?
(अ) हावड़ा और भटपारा (ब) त्रिवेणी और रिशरा (स) श्यामनगर और रिशरा (द) हावड़ा व रिशरा (अ)

5. भारतीय लोहा और इस्पात कम्पनी ने अपना पहला कारखाना कहाँ स्थापित किया था?
(अ) हीरापुर (ब) कुल्टी (स) बर्नपुर (द) दुर्गापुर (अ)

6. सर्वाधिक सूती वस्त्र मिलें कहाँ स्थित है?
(अ) तमिलनाडु (ब) महाराष्ट्र (स) गुजरात (द) पश्चिम बंगाल (अ)

7. निम्नलिखित में से कौनसा चीनी का दुसरा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है?
(अ) महाराष्ट्र (ब) उत्तरप्रदेश (स) पंजाब (द) तमिलनाडु (ब)

8. राउरकेला इस्पात संयन्त्र राज्य में स्थापित है?
(अ) महाराष्ट्र (ब) तमिलनाडु (स) गुजरात (द) उड़ीसा (द)

9. भारत में पहली आधुनिक सूती वस्त्र मिल की स्थापना कहाँ की गई थी?
(अ) कोलकात्ता (ब) मुम्बई (स) महाराष्ट्र (द) केरल (ब)

10. निम्न में से सबसे बड़ा कृषि आधारित उद्योग कौनसा है?
(अ) वस्त्र उद्योग (ब) चीनी उद्योग (स)रेशम उद्योग (द) चमड़ा उद्योग (अ)

11. ''भारत का मानचेस्टर'' निम्न में से कौनसा शहर को कहां जाता है?
(अ) दिल्ली (ब) अहमदाबाद (स) सूरत (द) कानपुर (ब)

12. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को निम्न में से किस वर्गों में बांटा गया है?
(अ) सार्वजनिक क्षेत्र (ब) निजी क्षेत्र (स) सहकारी क्षेत्र (द) उपर्युक्त सभी (द)

13. उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारण है?
(अ) कच्चे माल की उपलब्धता (ब) शक्ति के साधन
(स) पूँजी (द) उक्त सभी (द)

14. चीनी का पहला सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कौनसा है?
(अ) महाराष्ट्र (ब) उत्तरप्रदेश (स) पंजाब (द) तमिलनाडु (अ)

15. इंटीग्रल कोच फैक्ट्री कहां पर स्थित है?
(अ) जमालपुर (ब) वाराणसी (स) पटियाला (द) पेराम्बूर (द)

<u>निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दो। (अतिलघुरात्मक प्रश्न)</u> 2

1. ''उत्तरी भारत का मानचेस्टर'' किसे कहा जाता है?

उत्तर- उत्तरी भारत का मानचेस्टर-उत्तरप्रदेश का कानपुर को उत्तरी भारत का मानचेस्टर कहते है।

2. भिलाई इस्पात संयंत्र किस रेलमार्ग पर अवस्थित है?

उत्तर- भिलाई इस्पात संयंत्र कोलकाता-मुम्बई रेलमार्ग पर अवस्थित है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

3. आर्थिक दृष्टि से उद्योगों को किन स्थानों पर स्थापित करना लाभप्रद होता है?

उत्तर- आर्थिक दृष्टि से उद्योगों को उन स्थानों पर स्थापित करना लाभप्रद होता है जहाँ उत्पादन मूल्य और निर्मित वस्तुओं को उपभोक्ताओं तक वितरित करने का मूल्य न्यूनतम हो।

4. ऊर्जा स्रोतों के निकट स्थित किन्हीं दो उद्योगों के नाम बताइये।

उत्तर- एल्युमिनियम और कृत्रिम नाइट्रोजन निर्माण उद्योगों की स्थापना विशेषत: शक्ति (ऊर्जा) स्रोतों के निकट की जाती है।

5. कृषि आधारित उद्योगों के दो उदाहरण लिखिए?

उत्तर- 1. सूती वस्त उद्योग 2. चीनी उद्योग

6. लोह-इस्पात उद्योग के लिए कौन-कौनसे कच्चे माल के रूप में उपयोग होता है?

उत्तर- लौह-अयस्क, कोककारी कोयला, चूना-पत्थर, डोलोमाइट, मैंगनीज और अग्निमृत्तिका आदि कच्चे माल के रूप में उपयोग होता है।

7. सूती वस्त्र उद्योग के दो सेक्टरों के नाम बताइये।

उत्तर- (i) संगठित सेक्टर (ii) विकेन्द्रित सेक्टर

8. कच्चे माल के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरणक करें?

उत्तर- (i) कृषि आधारित (ii) वन आधारित (iii) खनिज आधारित (iv) उद्योगों द्वारा निर्मित कच्चे माल पर आधारित उद्योग आदि।

9. टिस्को क्या है?

उत्तर- टाटा लौह-इस्पात कंपनी (TISCO) मुंबई-कोलकात्ता रेलवेमार्ग पर स्थित है, यह इस्पात कारखाना है।

10. सेल (SAIL) क्या है?

उत्तर- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड।

11. पेट्रो-रसायन उद्योग क्या है?

उत्तर- अपरिष्कृत पेट्रोल से कई प्रकार की वस्तुएँ तैयार की जाती है जो अनेक नए उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराती है, इन्हें सामुहिक रूप से पेट्रोरसायन उद्योग के नाम से जाना जाता है।

12. दुर्गापुर इस्पात संयन्त्र की स्थापना किसके सहयोग से हुई थी।

उत्तर- दुर्गापुर इस्पात संयन्त्र की स्थापना युनाइटेड किंगडम की सरकार के सहयोग से पश्चिम बंगाल में की गई थी।

13. बाजार अभिमुख उद्योग से क्या आशय है?

उत्तर- जिन वस्तुओं की स्थापना उच्च माँग क्षेत्रों के समीप की जाती है, वे बाजार अभिमुख उद्योग कहलाते है, जैसे भारी मशीन, सूती वस्त्र उद्योग वे बाजार अभिमुख उद्योग कहलाते है, जैसे- भारी मशीन, सूती वस्त्र उद्योग।

14. नेफ्था पर आधारित पहला रासायनिक उद्योग कौनसा है?

उत्तर- सार्वजनिक सेक्टर में 1961 में स्थापित 'द नेशनल आर्गेनिक केमिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (NOCIL)' नेफ्था पर आधारित मुम्बई का पहला रासायनिक उद्योग था।

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. चीनी उद्योग एक मौसमी उद्योग क्यों है?

उत्तर- क्योंकि इस उद्योग के लिए गन्ना कच्चा माल के रूप में काम आता है, जो कि खेत से काटाने के 24 घण्टों के अन्दर ही काम में लेने पर चीनी की अधिक मात्रा प्राप्त होती ह। इसके अलावा शुष्क ऋतु में गन्ने को खेत में खड़ा नहीं रखा जा सकता, क्योंकि इससे सुक्रोज की मात्रा कम हो जाती है। इसी कारण चीनी मिले केवल उसी मौसम में ही कार्य करती है, जिसमें गन्ने की फसल काटी जाती है। अत: चीनी उद्योग एक मौसमी उद्योग है।

2. भारत में सूचना प्रौद्योगिकी क्रान्ति के प्रमुख प्रभाव कौन-कौन से है?

उत्तर- भारत में सूचना प्रौद्योगिकी क्रान्ति के निम्न प्रभाव है-

(i) आर्थिक और सामाजिक रूपान्तरण के लिए अनेक सम्भावनाएँ उत्पन्न की है।

(ii) इसका प्रमुख प्रभाव रोजगार अवसर के सृजन पर पड़ा है जो प्रतिवर्ष लगभग दुगुना हो रहा है।

Created by Universal Document Converter

(iii) आईटी सॉफ्टवेयर और सेवा उद्योग का भारत के सकल घरेलू उत्पादन में लगभग 2 प्रतिशत तक का योगदान है।

3. स्वच्छंद (स्वतंत्र) उद्योग किसे कहते है?

उत्तर- किसी उद्योग में अनेक प्रकार के कच्चे माल की आवश्यकता होती है तो ऐसे उद्योगों के स्थानीकरण में कच्चे माल का कोई प्रभाव नहीं रह जाता तथा इस प्रकार के उद्योग कच्चे मालों के उपलब्ध स्थलों की अवहेलना करते हुए किसी भी उपयुक्त स्थल पर स्थापित होने के लिए स्वतन्त्र होते है। ऐसे उद्योगों को स्वतन्त्र या स्वच्छन्द उद्योग कहा जाता है। जैसे- इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग।

4. मुम्बई-पुणे औद्योगिक प्रदेश की प्रमुख विशेषताँ लिखिए।

उत्तर- (i) यह देश का सबसे महत्त्वपूर्ण औद्योगिक प्रदेश है।

(ii) इसका विस्तार महाराष्ट्र राज्य के मुम्बई थाने से लेकर पुणे, नासिक एवं शोलापुर तक है।

(iii) इस प्रदेश में मुम्बई सर्वप्रमुख औद्योगिक नगर है, इसमें उद्योग का विकास ब्रिटिश शासन काल में सूती उद्योग की स्थापना के साथ हुआ बाद में इस महानगर में रासायनिक उद्योग भी विकसित हुए।

(iv) इस प्रदेश में सूती वस्त्र एवं रासायनिक उद्योगों के अतिरिक्त अभियांत्रिकी वस्तुएँ, पेट्रोलियम परिशोधन, पेट्रो रसायन, चमड़ा, संशलिष्ट एवं प्लास्टिक वस्तुएँ, दवाएँ, उर्वरक, विद्युत उपकरण, जलयान निर्माण, इलैक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, परिवहन उपकरण एवं खाद्य उद्योग भी विकसित अवस्था में मिलते हैं।

(v) इस प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र मुम्बई, थाणे, पूणे, पिंपरी, नासिक, शोलापुर, कोल्हापुर, अहमदनगर, सतारा एवं सांगली आदि है।

5. भारत में उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले चार कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर- (i) कच्चा माल:- सामान्यत: उद्योग उन्हीं स्थानों पर स्थापित किए जाते है, जहाँ कच्चा माल उपलब्ध होता है, मुख्य रूप से जिन उद्योगों में भार ह्रास वाले कच्चे माल प्रयुक्त किए जाते हैं ये उद्योग कच्चे माल के स्रोतों के पास स्थापित होते है।
जैसे- लौह-इस्पात उद्योग, चीनी मिलें आदि।

(ii) ऊर्जा/शक्ति:- उद्योगों में मशीनों के संचालन हेतु शक्ति की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली जाती है। शक्ति के प्रमुख साधन-कोयला, पेट्रोलियम, जलविद्युत, प्राकृतिक गैस एवं परमाणु ऊर्जा आदि है। लौह इस्पात उद्योग कोयले पर निर्भर करता है।

(iii) बाजार:- भारी उत्पाद वाले उद्योगों (जैसे- भारी मशीन, मशीन के औजार व भारी रसायन) की स्थापना उच्च मांग क्षेत्रों के समीप की जाती है इसलिए इन उद्योगों को बाजार-अभिमुख उद्योग कहा जाता है। सूती वस्त्र उद्योग में कपास जैसे- शुद्ध कच्चे माल का उपयोग किया जाता है।

(iv) श्रम:- उद्योगों में श्रम बल की आवश्यकता पड़ती है। सस्ते व तकनीकी रूप से कुशल श्रमिकों की पर्याप्त उपलब्धता उद्योगों की स्थापना के लिए महत्त्वपूर्ण आकर्षण होता है। यदि वर्तमान आधुनिक युग में स्वचलित मशीनों एवं कम्प्यूटर जैसे यंत्रों का प्रचलन बढ़ा है फिर भी औद्योगिक विकास में श्रम का महत्त्व लगातार बना हुआ है।

6. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण को समझाइये?

उत्तर- (i) उदारीकरण:- इसका अभिप्राय है, उद्योगों पर लगे प्रतिबन्धों को हटाया जाना या कम किया जाना। इसके अन्तर्गत आर्थिक नियमों व कानूनों में लचीलापन, लाइसेंस प्रणाली को समाप्त करना, विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करना, उद्योगों की स्थापना, वाणिज्य व व्यापार क्षेत्रों में छूट सम्बन्धी समस्त प्रयासों को शामिल किया गया है।

(ii) निजीकरण:- निजीकरण से अभिप्राय है कि सरकार द्वारा लगाए गए उद्योगों को निजी क्षेत्र में स्थापित किया जाए। औद्योगिक नीति में निजीकरण, घरेलू और बहुराष्ट्रीय दोनों व्यक्तिगत पूंजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए किया गया था।

(iii) वैश्वीकरण:- वैश्वीकरण से अभिप्राय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को संसार की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत अर्थात समायोजित करना। वैश्वीकरण के माध्यम से सामान और पूँजी सहित सेवाएँ, श्रम और संसाधन एक देश से दूसरे देश में स्वतन्त्रतापूर्वक पहुँचाए जा सकते है।

7. भारत के रेखा मानचित्र में निम्न नगरों को प्रदर्शित करे।

उत्तर- 1. लखनऊ, 2. इंदौर, 3. नागपुर, 4. अहमदाबाद, 5. शिमला, 6. भुवनेश्वर, 7. पुणे, 8. गांधीनगर, 9. हैदराबाद, 10. बैंगलुरु, 11. चैन्नई, 12. श्रीनगर, 13. जयपुर, 14. दिल्ली, 15. कोलकात्ता

Created by Universal Document Converter

निबन्धात्मक प्रश्न

1. उद्योगों का वर्गीकरण पर विस्तार से लिखिए?

उत्तर- उद्योगों में वस्तुओं के रूप में बदलकर उनको उपयोग योग्य व मुल्य वृद्धि कर तैयार किया जाता है। इनका वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जाता है।

1. आकार, पूँजी-निवेश और श्रम-शक्ति के आधार पर:- इस आधार पर उद्योगों को चार प्रकारों में विभक्त किया जाता है-
   (a) वृहत उद्योग (b) मध्यम उद्योग (c) लघु उद्योग (d) कुटीर उद्योग
2. स्वामित्व के आधार पर- स्वामित्व के आधार पर भारत में तीन प्रकार के उद्योगों को मान्यता प्राप्त है-
   (i) सार्वजनिक क्षेत्र:- इस क्षेत्र के उद्योग सरकार द्वारा नियन्त्रित कम्पनियाँ निगम है, जो सरकार द्वारा पूँजी प्राप्त करते है। इस सेक्टर में सामान्यत: सामरिक और राष्ट्रीय महत्व के उद्योग-धंधे आते है।
   (ii) व्यक्गित सेक्टर- ऐसे उद्योग किसी एक व्यक्ति या एक से अधिक व्यक्ति के अधीन होते है, जैसे जमशेदपुर स्थित टाटा लौह-इस्पात संयन्त्र।
   (iii) सहकारी सेक्टर- यह मिश्रित क्षेत्र है, जिसमें उद्योग एवं संस्थाओं का संचालन सरकार एवं जनता के सम्मिलित अधिकार के द्वारा होता है।
3. उत्पादों के उपयोग के आधार पर:- उद्योगों को उनके उत्पादों के उपयोग के आधार पर चार प्रकारों में विभक्त किया जाता है।
   (i) मूल पदार्थ उद्योग (ii) पूँजीगत पदार्थ उद्योग (iii) मध्यवर्ती पदार्थ उद्योग (iv) उपभोक्ता पदार्थ उद्योग
4. कच्चे माल के आधार पर:- उद्योगों को इनके द्वारा प्रयोग किये जाने वाले कच्चे माल के आधार पर भी चार प्रकारों में विभक्त किया गया है जो है-
   (i) कृषि आधारित उद्योग (ii) वन आधारित उद्योग
   (iii) खनिज पर आधारित उद्योग (iv) उद्योग द्वारा निर्मित कच्चेमाल पर आधारित उद्योग
5. निर्मित उत्पादों की प्रकृति के आधार पर:- निम्न प्रकार विभक्त किया है।
   (i) धातुकर्म उद्योग (ii) यान्त्रिक इंजीनियरी उद्योग (iii) रासायनिक और रबड़ उद्योग
   (iv) वस्त्र उद्योग (v) खाद्य संसाधन उद्योग (vi) विद्युत उत्पादन उद्योग
   (vii) इलेक्ट्रॉनिक उद्योग (viii) संचार उद्योग

2. भारत में चीनी उद्योग के प्रमुख केन्द्रों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- भारत में चीनी उद्योग के प्रमुख केन्द्र निम्न है।

1. **महाराष्ट्र**:- यह देश में अग्रणी चीनी उत्पादक राज्य है, यहाँ देश में कुल चीनी उत्पादन के एक-तिहाई से अधिक भाग का उत्पादन होता है। इस राज्य में चीनी निर्माण की 119 मिले है जो एक संकरी पट्टी के रूप में उत्तर में मनमाड़ से लेकर दक्षिणी में कोल्हापुर तक विस्तृत है। इसमें 87 मिलें सहकारी सेक्टर में है।
2. **उत्तरप्रदेश**:- इस राज्य का चीनी उत्पादन में द्वितीय स्थान है। चीनी उद्योग दो पेटियों-गंगा-यमुना दोआब और तराई प्रदेश में केन्द्रित है। गंगा-यमुना दोआब में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, बागपत और बुलंदशहर मुख्य चीनी उत्पादक जिले है जबकि तराई प्रदेश के मुख्य चीनी उत्पादक जिले लखीमपुर, खीरी, बस्ती, गोंडा, गोरखपुर, बहराइच है, भारत का 50 प्रतिशत गन्ना उत्तरप्रदेश में ही उत्पन्न होता है।
3. **तमिलनाडु**:- इस राज्य में चीनी मिलें कोयमम्बटूर, वेलौर, तिरूवनमलाई, बिल्लुपुरम और तिरूचिरापल्ली जिलों में स्थित है।
4. **कर्नाटक**:- इस राज्य में बेलगांवि, बेल्लारी, माण्डया, शिवमोगा, विजयपुर और चित्रदुर्ग मुख्य चीनी उत्पादक जिले हैं।
5. **अन्य केन्द्र** :-
   (i) बिहार में सारन, चंपारन, मुजफ्फरपुर, सीवान, दरभंगा, गया।
   (ii) पंजाब में गुरूदासपुर, जालंधर, पटियाला, अमृतसर और संगरूर जिले।
   (iii) हरियाणा में यमुनानगर, रोहतक, हिसार और फरीदाबाद में चीनी मिलें स्थित है।
   (iv) गुजरात में चीनी उद्योग तुलनात्मक रूप से नया है यहाँ चीनी मिलें सूरत, जनागढ़, राजकोट, अमरेली वाल्सद और भावनगर

Created by Universal Document Converter

जिलों के गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में स्थित है।

3. भारत के औद्योगिक प्रदेश और जिले कौन-कौन से है वर्णन करें।

उत्तर- देश में उद्योगों का वितरण समरूप नहीं है। उद्योग कुछ अनुकूल अवस्थितिक कारकों से कुछ निश्चित स्थानों पर केन्द्रित हो जाते है इन्हें औद्योगिक प्रदेश कहते है जो निम्न है।

भारत में मुख्य औद्योगिक प्रदेश - 8 है।

1. मुंबई-पुणे प्रदेश, 2. हुगली प्रदेश, 3. बैंगलुरू-तमिलनाडु प्रदेश, 4. गुजरात प्रदेश, 5. छोटानागपुर प्रदेश, 6. विशाखापट्नम-गुंट्र प्रदेश, 7. गुरूग्राम-दिल्ली-मेरठ, 8. कोलम-थिरूवनंथपुरम प्रदेश

भारत के लघु औद्योगिक प्रदेश निम्न 13 है।

1. अंबाला-अमृतसर, 2. सहारनपुर-मुजफ्फरनगर, 3. इंदौर-देवास-उज्जैन, 4. जयपुर-अजमेर, 5. कोल्हापुर-दक्षिणी कन्नड़, 6. उत्तरी मालाबार, 7. मध्य मालाबार, 8. अदीलाबाद-निजामाबाद, 9. इलाहाबाद-वाराणसी-मिर्जापुर, 10. भोजपुर-मुँगेर,11. दुर्ग-रायपुर

12. बिलासपुर-कोरबा, 13 ब्रह्मपुत्र घाटी।

भारत के औद्योगिक जिले निम्न 15 है।

1. कानपुर, 2. हैदराबाद, 3. आगरा, 4. नागपुर, 5. ग्वालियर, 6. भोपाल, 7. लखनऊ, 8. जलपाई गुड़ी, 9. कटक, 10. गोरखपुर, 11. अलीगढ़, 12. कोटा, 13. पूर्णिया, 14. जबलपुर, 15. बरेली।

अध्याय-8
परिवहन तथा संचार

1. नार्थ-वेस्टर्न भारतीय रेल मण्डल का मुख्यालय कहाँ स्थित है-

उत्तर- जयपुर

2. भारत में वायु परिवहन की शुरूआत किस वर्ष तथा स्थान से हुई-

उत्तर- सन् 1911 इलाहाबाद से नैनी के मध्य

3. भारतीय रेल को कितने रेलमण्डलों में बांटा गया है-

उत्तर- 16

4. भारत में रेड़ियों का प्रसारण किस वर्ष से प्रसारित हुआ था-

उत्तर- सन् 1923

5. भारतीय रेल की स्थापना किस वर्ष तथा कहाँ से हुई-

उत्तर- सन् 1853 मुम्बई से थाणे के मध्य

6. भारत में सड़कों की दशा सुधारने के लिए एक ''बीस वर्षिय सड़क योजना'' किस वर्ष बनाई गई-

उत्तर- सन् 1961

7. नेशनल रिमोट सेंसिग सेन्टर (NRSC) कहाँ स्थित है-

उत्तर- हैदराबाद

8. भारत में सर्वप्रथम टेलीविजन पर प्रसारण कब हुआ-

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

उत्तर- सन् 1559

9. परिवहन के साधनों को आरेख द्वारा दर्शाइए-

उत्तर-

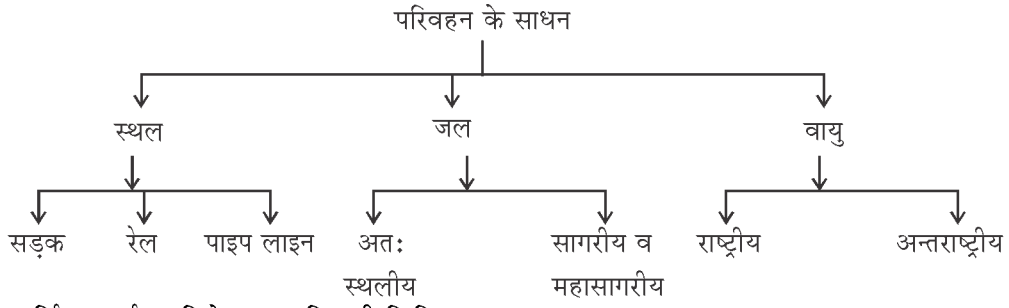

10 स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना पर टिप्पणी लिखिए-

उत्तर- इस परियोजना में 5846 कि.मी. लम्बी 4/6 लेन वाले उच्च सघनता के यातायात गलियारों शामिल हैं जो देश के चार विशाल महानगरों-दिल्ली मुम्बई-चेन्नई, कोलकात्ता को जोड़ते है। स्वर्णिम चतुर्भुज के निर्माण के साथ भारत के इन महानगरों के बीच समय-दूरी तथा यातायात की लागत महत्त्वपूर्ण रूप से कम होगी।

11. उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारा किन-किन नगरों को जोड़ता हैं-

उत्तर- उत्तर में श्रीनगर को दक्षिण के कन्याकुमारी से तथा पूर्व में सिलचर को पश्चिम के पोरबंदर से।

12. कडल क्या है-

उत्तर- केरल राज्य में पश्च जल-प्रबंधन को कडल कहा जाता है यह सस्ता जल परिवहन उपलब्ध कराने के साथ-साथ भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करते है।

13. भारतीय रेल को रेल पटरियों की चौड़ाई के आधार पर कितने वर्गों में वर्गीकृत किया गया है-

उत्तर- (i) बड़ी लाइन-ब्रांड गेज में पटरियों के बीच की दूरी 1.61 मीटर होती है।
(ii) मीटर लाइन-इसमें पटरीयों के बीच की दूरी एक मीटर हाती है।
(iii) छोटी लाइन- इसमें पटरीयों के बीच की दूरी 0.61 मीटर होती है।

14. प्रस्तावित भारतमाला योजना के उद्देश्य लिखिए।

उत्तर- (i) तटवर्ती भागों से लगे हुए राज्यों की सड़कों का विकास करना।
(ii) पिछड़े इलाको, धार्मिक, पर्यटन स्थलों को जोड़ने की योजना।
(iii) सेतु भारतम परियोजना के अन्तर्गत 1500 बड़े पुलों तथा 200 रेल ओवर ब्रिज तथा अण्डर ब्रिज का निर्माण करना।
(iv) लगभग 900 किमी. के नए घोषित किए गए राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए जिला मुख्यालय जोड़ने की योजना।

15. भारत में पाइप लाइनों के परिवहन के साधन के रूप में लाभ बताइए।

उत्तर- (i) ऊर्जा की खपत में कमी।
(ii) यह सस्ता परिवहन का साधन है।
(iii) इसके माध्यम से निर्बाध आपूर्ति होती है।
(iv) अन्य परिवहन के साधनों का दबाव कम करती है।

16. उपग्रह संचार पर टिप्पणी लिखिए-

उत्तर- उपग्रह संचार का एक आधुनिकतम साधन है उपग्रह के उपयोग से एक विस्तृत क्षेत्र का सतत एवं सामाजिक दृश्य प्राप्त होने के कारण, उपग्रह संचार आर्थिक एवं सामरिक कारणों से वर्तमान में बहुत महत्त्वपूर्ण हो गया है। उपग्रह से प्राप्त चित्रों का मौसम के पूर्वानुमान,

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, सीमा क्षेत्रों की चौकसी के लिए उपयोग किया जा सकता है।

17. व्यक्तिगत संचार और जनसंचार में अन्तर लिखिए।

उत्तर-

	व्यक्तिगत संचार	**जनसंचार**
1.	एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक सूचना भेजने के साधन।	1. जनसाधारण तक संदेश या सूचनाएं भेजना।
2.	टेलीफोन, तार, ई-मेल, इंटरनेट, फैक्स आदि।	2. रेडियो, टेलीविजन, उपग्रह समाचार पत्र, पुस्तकें आदि।

कक्षा-12 (विषय-भूगोल)

मानचित्र प्रश्न

1. विश्व के मानचित्र में चलवासी पशुचारण के क्षेत्र दर्शाइये।

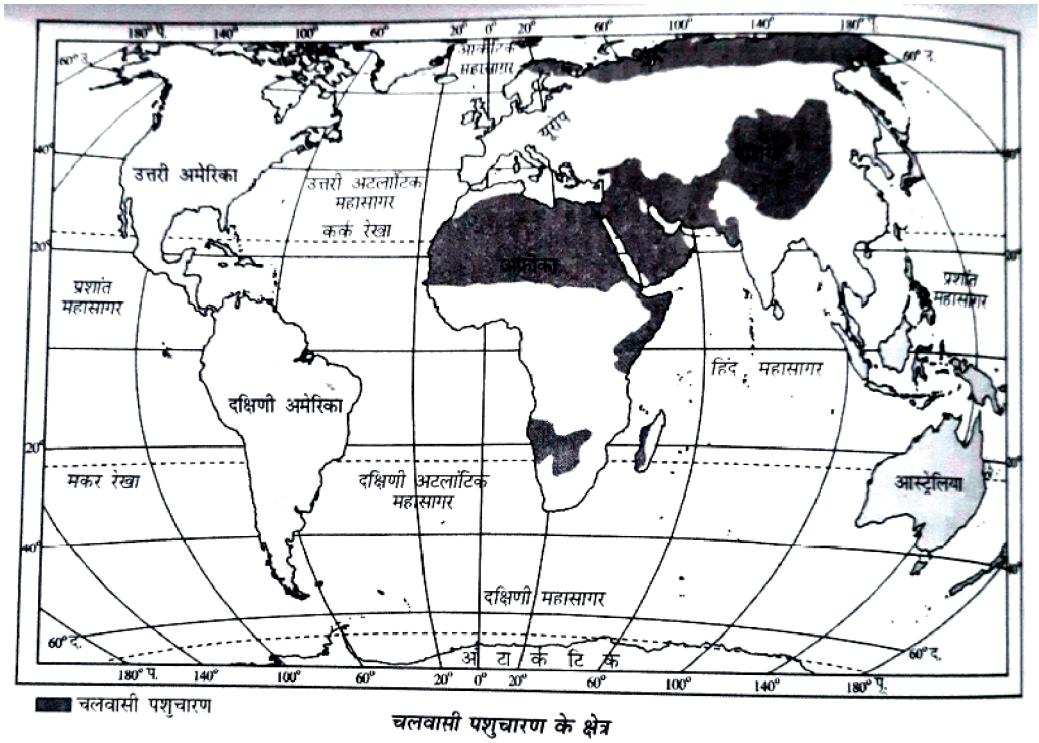

चलवासी पशुचारण के क्षेत्र

2. विश्व के मानचित्र में वाणिज्य पशुधन पालन के क्षेत्र दर्शाइये?

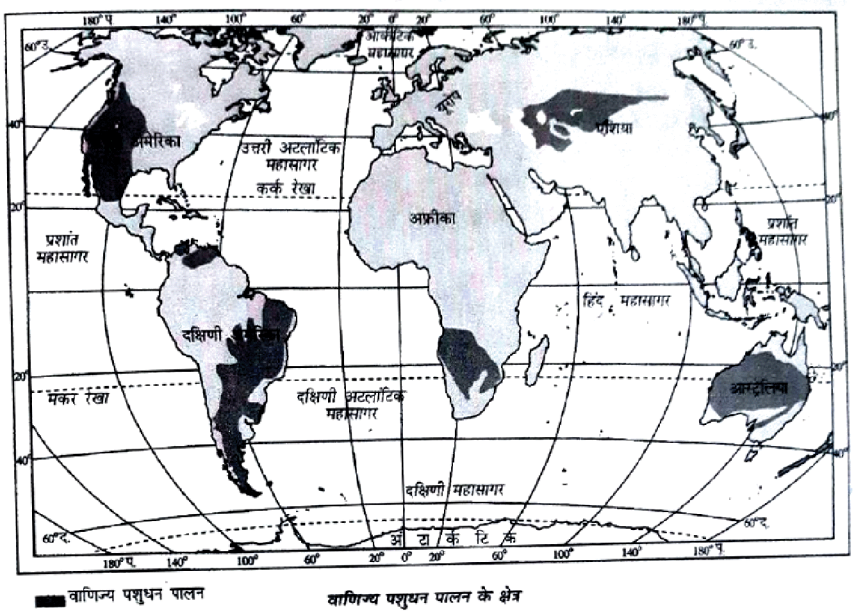

वाणिज्य पशुधन पालन के क्षेत्र

Created by Universal Document Converter

3. विश्व के मानचित्र में आदिकालीन निर्वाह कृषि के क्षेत्र दर्शाइए?

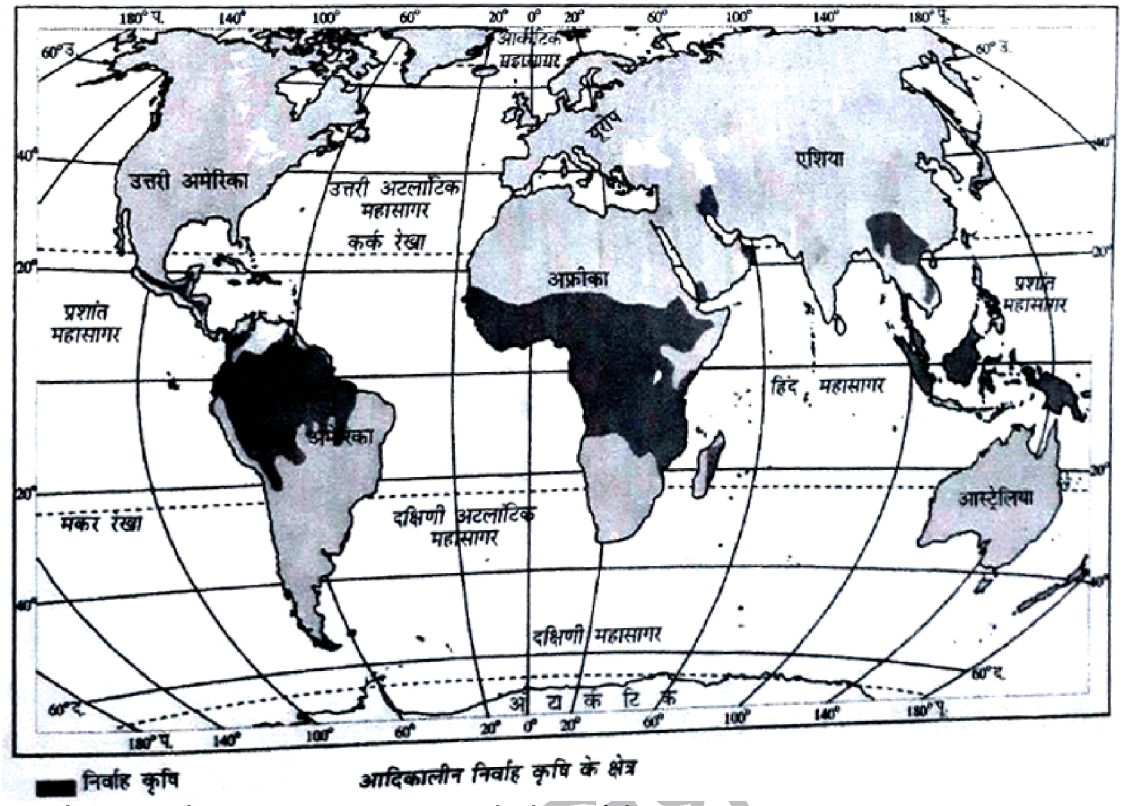

आदिकालीन निर्वाह कृषि के क्षेत्र

4. विश्व के मानचित्र में विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि के क्षेत्र दर्शाइये?

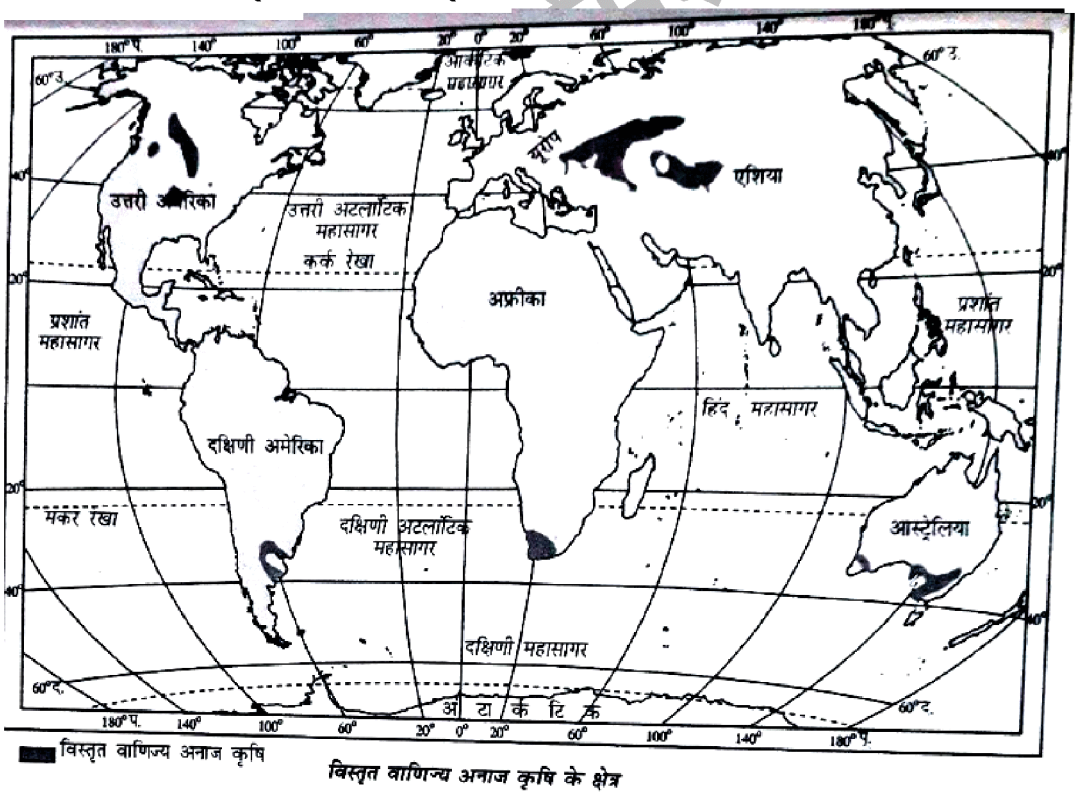

विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि के क्षेत्र

5. दिये गये विश्व के मानचित्र में निम्नांकित नगरों को दर्शाइये?

(i) न्यूयार्क (ii) लंदन (iii) केनबरा (iv) मुम्बई (v) अदीस अबाबा (vi) ब्राजील (vii) शिकांगो (viii) पीट्सबर्ग (ix) मास्को (x) टोक्यो (xi) दुर्गापुरा (xii) डूईसबर्ग (xiii) शंघाई

Created by Universal Document Converter

मॉडल प्रश्न-पत्र

समयः 2:45 घण्टे **कक्षा XII** **पूर्णांक : 56**

खण्ड (अ)

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मानव भूगोल की कल्याणपरक अथवा मानवतावाद/विधारधारा का संबंध है-
(अ) धार्मिक कल्याण (ब) क्षेत्रीय कल्याण (स) सामाजिक कल्याण (द) निर्धनता कल्याण ( )
2. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश है?
(अ) भारत (ब) सिंगापुर (स) चीन (द) रूस ( )
3. निम्न में से कौनसी फसल रोपण कृषि में सम्मिलित है-
(अ) रबड़ (ब) गन्ना (स) चाय (द) उपरोक्त सभी ( )
4. उत्पादन के आधार पर निम्नलिखित में से कौनसा मूलभूत उद्योग है-
(अ) लौह-इस्पात उद्योग (ब) वाहन उद्योग (स) बिस्कुट उद्योग (द) वस्त्र उद्योग ( )
5. 2006 में भारत में कितने मिलियन सिटी थे-
(अ) 40 (ब) 41 (स) 42 (द) 43 ( )
6. निम्न में सन्नगर का उदाहरण कौनसा है?
(अ) लंदन (ब) मानचेस्टर (स) टोक्यो (द) उपरोक्त सभी ( )
7. सबसे बड़ा नगरीय संकुल है-
(अ) चैन्नई (ब) बेंगलुरु (स) कोलकता (द) बृहत मुम्बई ( )
8. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में औसत जनघनत्व रहा-
(अ) 310 (ब) 382 (स) 334 (द) 344 ( )
9. आर्थिक वृद्धि के नोड के रूप में कार्य करते है-
(अ) गाँव (ब) संचार (स) नगर (द) उपरोक्त सभी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. भारत का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र.....है?
2. ब्राजील के कॉफी बागानों को.....कहा जाता है।
3. राजस्थान में वर्षा जल सग्रहण ढाँचे.....कहलाते है।
4. भारत में राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण की शुरुआत.....हुई थी।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. जनसंख्या घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिए?
2. आदिकालीन जीवन निर्वाह कृषि की दो विशेषताएं बताइये।
3. विनिर्माण किसे कहते है?
4. फुटकर व्यापार से क्या अभिप्राय है?

खण्ड (ब)

4. रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए।
5. नव निश्चयवाद की विचारधारा क्या है- यह संकल्पना किसने प्रस्तुत की थी?
6. विश्वनगरी (मेगालोपोलिस) का क्या अर्थ है यह शब्द किससे व कब प्रयोग किया था?
7. प्रकीर्ण बस्ती की दो विशेषताएँ बताइये?
8. भारत में ग्रामीण से नगरीय क्षेत्रों में प्रवास के तीन प्रतिकर्ष कारकों के नाम लिखिए?
9. 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की रुद्ध अथवा स्थिर प्रावस्था क्यों कहा जाता है।

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter

10. एकाकी बस्तियाँ क्या है? भारत में एकाकी बस्तियों के कोई दो उदाहरण दीजिए?
11. भारत में ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों में चार अंतर लिखिए?
12. कृषि गहनता क्या है इसकी गणना का सूत्र लिखिए?
13. जल के पुनः चक्र और पुनः उपयोग को समझाइये?
14. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना क्या है इसे स्पष्ट कीजिए।
15. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

राष्ट्रीय जलमार्ग	**विस्तार**
राष्ट्रीय जलमार्ग-1	सदिया-धुवरी विस्तार
राष्ट्रीय जलमार्ग-2	कोट्टापुरम-कोलम विस्तार
राष्ट्रीय जलमार्ग-3	इलाहाबाद-हल्दिया विस्तार

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

16. कृषि आधारित उद्योगों पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

खनिज तथा रसायन आधारित उद्योगों पर टिप्पणी लिखिए।

17. परम्परागत बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेशों की प्रमुख विशेषताएं बताइये।

अथवा

लौह इस्पात उद्योग के विश्व वितरण की विवेचना कीजिए।

18. जल संभर प्रबंधन की कोई तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

जलक्रांति अभियान के तहत प्रदूषण को कम करने के उपायों का वर्णन कीजिए।

खण्ड-द

19. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त की अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

20. सूती वस्त्र उद्योगों के प्रमुख केन्द्रों का नाम बताइये तथा सूती वस्त्र उद्योग के विकेन्द्रीकरण को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारत में चीनी उद्योग के प्रमुख केन्द्रों की व्याख्या कीजिए।

21. दिये गये विश्व के रेखा मानचित्र में निम्न केन्द्रों को अंकित कीजिए।
    1. मुम्बई 2. लंदन 3. न्यूयार्क 4. मास्को
22. दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्न केन्द्रों को अंकित कीजिए-
    1. तूतीकोरिन 2. देवास 3. हुगली 4. जमशेदपुर

शेखावाटी मिशन-100

Created by Universal Document Converter